Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 316 | शनिवार, 21 नवम्बर -2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

वैश्विक शांति के लिए सांस्कृतिक जुड़ाव सबसे मजबूत गारंटी: मोदी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक शांति के लिए परस्पर सांस्कृतिक जुड़ाव सबसे मजबूत गारंटी है। श्री मोदी ने आज यहां राजधानी के ऐतिहासिक पुराने किले में आयोजित पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यतागत संवाद मंच का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि युद्ध और अशांति के बीच सभ्यताओं के बीच संवाद और सांस्कृतिक सहयोग की आवश्यकता और बढ़ गयी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सांस्कृतिक और सभ्यतागत सहयोग सदस्य देशों के संबंधों को और मजबूत करेगा। उन्होंने प्राचीन व्यापार मार्गों, बौद्ध दर्शन, पंचतंत्र, रामायण, गणित, संगीत और स्थापत्य कला के उदाहरण देते हुए बताया कि सदियों से विभिन्न सभ्यताओं के बीच ज्ञान, विचारों और परंपराओं का आदान-प्रदान होता रहा है।

श्री मोदी ने सदस्य देशों से प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण और अनुवाद, साझा शोध परियोजनाओं, संयुक्त प्रदर्शनियों, विश्वविद्यालयों के बीच आदान-प्रदान, सांस्कृतिक पर्यटन और कला उत्सवों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल मंचों की मदद से साझा विरासत को नयी पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने युवाओं, कलाकारों, लेखकों और फिल्म निमार्ताओं को सांस्कृतिक जुड़ाव बढ़ाने में महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि आपसी विश्वास और सद्भाव के लिए देशों को अपनी साझा विरासत पर ध्यान देना चाहिए। भारत की विविधता को एकता का आधार बताते हुए उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को वैश्विक कल्याण का मार्ग बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि यह मंच सांस्कृतिक सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा और दुनिया को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

कांग्रेस की सरकार होती तो पुतिन, ट्रंप, जिनपिंग के साथ भारतीय प्रधानमंत्री भी होते: राहुल



नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधते हुए कहा है कि यदि कांग्रेस सत्ता में होती तो भारत के प्रधानमंत्री भी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत की मेज पर बैठे होते। श्री गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर समझौतावादी होने का आरोप लगाया और कहा कि इसी वजह से उन्हें इन तीनों नेताओं के साथ बातचीत की मेज पर बैठने की जगह नहीं मिली। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें शी जिनपिंग, श्री पुतिन और श्री ट्रंप चीन के शेनझेन स्थित काइलिन विला में 19 नवंबर को हुई बैठक में भाग लेते दिखाई दे रहे हैं। यह बैठक एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के इतर हुई थी। श्री गांधी ने इसके साथ लिखा यदि कांग्रेस सत्ता में होती तो भारत के प्रधानमंत्री इस मेज पर बैठे होते।

सीएम योगी की मां का निधन, 91 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, पीएम मोदी ने फोन कर जताई संवेदना

वेलकम इंडिया, नेटवर्क





नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का आज 91 वर्ष की उम्र में उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले स्थित उनके पैतृक गांव पंचूर में निधन हो गया। मां के निधन की खबर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। इस दुखद घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फोन पर बात की और उनकी मां के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने इस कठिन समय में योगी आदित्यनाथ और उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति जताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बताया जा रहा है कि सावित्री देवी लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं। शुक्रवार सुबह पंचूर गांव स्थित अपने आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भाई महेंद्र ने उनके निधन की पुष्टि की। परिवार और स्थानीय लोगों के मुताबिक, उम्र संबंधी परेशानियों के साथ ही उन्हें सांस लेने में भी दिक्कत हो रही थी। बताया गया कि पिछले काफी समय से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी और वह मुख्य रूप से अपने परिवार के सदस्यों को ही पहचान पा रही थीं। मां के निधन की सूचना मिलने के समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मौजूद थे। वह वहां विद्यार्थियों को टैबलेट वितरण से जुड़े कार्यक्रम में शामिल हुए थे। व्यक्तिगत जीवन के इस बड़े दुख के बावजूद उन्होंने अपने निर्धारित कार्यक्रमों को पूरा किया। हम आपको बता दें कि पंचूर उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर क्षेत्र में स्थित है। यही वह गांव है, जहां योगी आदित्यनाथ का जन्म अजय सिंह बिष्ट के रूप में हुआ था और जहां उनका बचपन बीता। योगी आदित्यनाथ का अपने पैतृक गांव और परिवार से जुड़ाव रहा है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी वह कई मौकों पर पंचूर पहुंचे हैं। फरवरी 2026 में भी उन्होंने अपने गांव का दौरा किया था और परिजनों के साथ समय बिताया था। इससे पहले मई 2022 में भी वह अपनी मां से मिलने पंचूर पहुंचे थे। सावित्री देवी अपने पति आनंद सिंह बिष्ट के निधन के बाद भी गांव में ही रह रही थीं। आनंद सिंह बिष्ट का अप्रैल 2020 में निधन हुआ था। उस समय कोरोना महामारी के कारण लागू प्रतिबंधों और मुख्यमंत्री के प्रशासनिक दायित्वों के चलते योगी आदित्यनाथ अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाए थे।

मोदी सरकार की नीतियों से वेतन, रोजगार, निजी निवेश में सुस्ती: कांग्रेस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। कांग्रेस ने अर्थव्यवस्था की बदहाली के लिए सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि देश में वेतन और रोजगार नहीं बढ़ रहे हैं, निजी निवेश की रफ्तार सुस्त है तथा आर्थिक विषमताएं लगातार बढ़ रही हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को फिक्की के कार्यक्रम में उद्योग जगत के बड़े कारोबारियों को नसीहत देते हुए वही बातें दोहराईं, जिन्हें कांग्रेस लंबे समय से उठाती रही है। उनका कहना था कि कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव के अपने घोषणापत्र 'न्याय पत्र' में भी प्रमुखता से इन्ही बातों को शामिल किया था। उन्होंने कहा कि उस समय कांग्रेस की इन बातों को 'अर्बन नक्सल' सोच से प्रेरित बताया गया था लेकिन अब श्री मोदी खुद इन्हीं समस्याओं को स्वीकार कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने आर्थिक ताकत कुछ चुनिंदा बड़े उद्योगपतियों के हाथों में सिमटने दी है जिससे बाजार में प्रतिस्पर्धा कमजोर हुई और छोटे कारोबारियों तथा उद्योगों को नुकसान उठाना पड़ा है। सरकार ने डर और दबाव का ऐसा माहौल बनाया है जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने से लाखों छोटे और मझोले उद्योग प्रभावित हुए हैं। नोटबंदी और जटिल वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था ने भी छोटे कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ाई हैं।

बुलंदशहर में मुठभेड़: दाऊद इब्राहिम गिरोह का शार्प शूटर नसीम दुरानी ढेर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क





नई दिल्ली। अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के गिरोह से कथित तौर पर जुड़े गैंगस्टर नसीम दुरानी की शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में दिल्ली पुलिस और उत्तर प्रदेश विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ में मौत हो गई। वह दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के कैंप कार्यालय के बाहर हुई हत्या सहित कई मामलों में वांछित था। एसटीएफ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अमिताभ यश ने लखनऊ में जारी एक बयान में कहा कि दुरानी दाऊद इब्राहिम के कुख्यात डी-कंपनी गिरोह का कथित सदस्य था।

एसटीएफ के मुताबिक, दुरानी ने डी-कंपनी के प्रमुख सदस्य छोटा शकील के निर्देश पर पाकिस्तानी-कनाडाई स्तंभकार तारिक फतह और फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर छोटा राजन की हत्या की सुपारी ली थी। हालांकि वह इसे अंजाम नहीं दे सका। फतह का 2023 में निधन हो गया था। बयान के अनुसार, दुरानी दिल्ली में हत्या के दो अलग-अलग मामलों में वांछित था। इसके अलावा वह गाजियाबाद में हत्या के प्रयास के एक मामले में भी वांछित था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश और दिल्ली में हत्या, हत्या के प्रयास और रंगदारी समेत कम से कम 25 आपराधिक मामले दर्ज थे। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के विशेष आयुक्त हरगोबिंदर सिंह धालीवाल ने बताया कि छोटा शकील ने नसीम को फतह की गतिविधियों की जानकारी दी थी और उसे निर्देश दिया था कि फतह के दिल्ली आने पर उन्हें निशाना बनाया जाए। नसीम ने नोएडा के सेक्टर-16ए स्थित फिल्म सिटी की रेकी भी की थी, जहां फतह के एक टीवी कार्यक्रम के लिए आने की संभावना थी। अपराध शाखा ने बताया कि छोटा शकील के कहने पर दुरानी दिल्ली के द्वारका निवासी रॉबिन शर्मा की हत्या की साजिश में भी कथित तौर पर शामिल था। रॉबिन शर्मा बजरंग दल का कार्यकर्ता था। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने बयान में कहा, 2005 में रॉबिन शर्मा के भाई दीपक की द्वारका में हत्या कर दी गई थी।

उसे कथित तौर पर गलती से निशाना समझ लिया गया था। जांच के दौरान शाहिन सैफी और सलीम अल्लाहदिया को गिरफ्तार किया गया था, जबकि एक अन्य आरोपी तारिक 2006 में उत्तराखंड के रुड़की में दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ के साथ मुठभेड़ में मारा गया था। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार इलाके में 16 नवंबर को कपिल मिश्रा के कैंप कार्यालय के बाहर समीर नामक व्यक्ति की हत्या की जांच के दौरान भी दुरानी का नाम सामने आया था। अपराध शाखा ने दुरानी की पहचान दिनदहाड़े हुई इस हत्या में शामिल एक शूटर के रूप में की थी।

उत्तर प्रदेश में 2027 में भाजपा लगाएगी जीत की हैट्रिक, योगी बनाएंगे तीसरी बार सरकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर साम्प्रदायिक और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश की जनता ने ठान लिया है कि वह प्रदेश में भाजपा की जीत की हैट्रिक लगवाएगी और साम्प्रदायिक पार्टियों को सबक सिखाएगी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सपा के लिए एक नया शब्द 'नमाजवादी पार्टी' गढ़ा और कल सपा नेता आजम खान ने अपने कुछ चुनिंदा समर्थकों से 'देखो-देखो कौन आया, शेर आया, शेर आया' के नारे लगवाए। यह कैसा शेर है, जो मोहल्ले से बकरियां और मुर्गियां चुराता है? उत्तर प्रदेश में अगर किसी में शेर जैसा जज्बा और बहादुरी है, तो वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक ओर जहां पूरे प्रदेश में लोग 'जय श्रीराम' और 'राधे-राधे' के नारे लगा रहे हैं, वहीं सपा के लोग श्री आजम खान के जेल से रिहा होने पर नारे लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी रिहाई के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव उनसे मिलने पहुंचते हैं। इस मुलाकात के क्या मायने हैं? उन्होंने कहा कि श्री खान को यह याद रखना चाहिए कि उन्हें जमानत मिली है, आरोपों से बरी नहीं किया गया है। उनके खिलाफ मुकदमे की सुनवाई अभी जारी है और उन्हें अब तक आरोपों से दोषमुक्त नहीं किया गया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जहां उत्तर प्रदेश में श्री योगी के नेतृत्व में विकास की धारा बह रही है और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने पर लगातार जोर दिया जा रहा है।

योगी सरकार ने टैबलेट के रूप में युवाओं को दी चलती फिरती यूनिवर्सिटी

18 हजार से अधिक निशुल्क ऑनलाइन कोर्स से कौशल विकास की सुविधा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। बदलते दौर में शिक्षा का दायरा अब किताबों और कक्षाओं तक सीमित नहीं रह गया है। डिजिटल तकनीक ने सीखने के तौर-तरीकों को बदलने के साथ युवाओं के सामने कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के नए रास्ते भी खोले हैं। ऐसे में यदि विद्यार्थी के हाथ में एक ऐसा डिजिटल उपकरण हो, जिसमें पढ़ाई के साथ हजारों ऑनलाइन कोर्स, कौशल प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध हो, तो यह उसके भविष्य को नई दिशा देने वाला माध्यम बन सकता है। उत्तर प्रदेश में युवाओं को टैबलेट वितरण के पीछे योगी सरकार की सोच भी इसी व्यापक बदलाव से जुड़ी है। सरकार इसे महज एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस नहीं, बल्कि युवाओं की शिक्षा, कौशल और रोजगार क्षमता में दीर्घकालिक निवेश के रूप में देख रही है।

प्रदेश में अब तक 60 लाख से ज्यादा युवाओं को उपलब्ध कराए गए इस डिजिटल संसाधन का लाभ लगभग तीन करोड़ लोगों तक पहुंचा है। इसकी वजह यह है कि टैबलेट का उपयोग केवल विद्यार्थी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से उनके परिवार भी ई-गवर्नेंस, डिजिटल पेमेंट और हेल्थ सर्विसेज जैसी आधुनिक सुविधाओं से जुड़ रहे हैं। इस तरह विद्यार्थियों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने की पहल परिवारों तक तकनीक की पहुंच बढ़ाने का माध्यम भी बन रही है।

टैबलेट में 18 हजार से अधिक निशुल्क ऑनलाइन कोर्स

युवाओं को केवल डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराना ही इस पहल का उद्देश्य नहीं है, बल्कि उसका उपयोग शिक्षा और रोजगार की संभावनाएं बढ़ाने में हो, इस पर भी जोर दिया गया है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने इन्फोसिस के साथ साझेदारी की है। इसके तहत टैबलेट में 18 हजार से अधिक निशुल्क ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यार्थी अपनी रुचि, योग्यता और भविष्य की जरूरतों के अनुसार इन पाठ्यक्रमों का चयन कर सकते हैं। इससे नियमित शिक्षा के साथ अतिरिक्त कौशल हासिल करने और रोजगार के लिए स्वयं को तैयार करने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी टैबलेट को विद्यार्थियों के भविष्य के लिए चलता-फिरता विश्वविद्यालय बताते हुए कहा है कि यह उनके स्वयं सीखने, कौशल विकसित करने और आगे बढ़ने का सशक्त माध्यम है। सरकार की मंशा है कि तकनीक का लाभ केवल डिग्री हासिल करने तक सीमित न रहे, बल्कि युवा व्यावहारिक कौशल के साथ रोजगार की प्रतिस्पर्धा में भी आगे बढ़ें। विद्यार्थियों को दिए जा रहे टैबलेट की तकनीकी संरचना भी इसे अध्ययन और डिजिटल गतिविधियों के लिए उपयोगी बनाती है। इनके विनिर्देश भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के मानकों के अनुरूप निर्धारित हैं। इनमें 1.8 गीगाहर्ट्ज ऑक्टा-कोर प्रोसेसर, 4 जीबी रैम और 64 जीबी इंटरनल स्टोरेज की सुविधा है। इसके अलावा 5000 एमएएच की बैटरी और 8 इंच की आईपीएस कैपेसिटिव मल्टीटच डिस्प्ले दी गई है, जिसका रिजॉल्यूशन 1280800 पिक्सल है।

युवा साथी ऐप: योजनाओं से लेकर रोजगार तक एक ही प्लेटफॉर्म पर जानकारी

युवाओं के सामने अक्सर चुनौती यह भी होती है कि उनके लिए केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से कौन-कौन सी योजनाएं संचालित हैं, उनकी पात्रता क्या है और आवेदन कैसे किया जा सकता है। इस समस्या के समाधान के लिए टैबलेट में युवा साथी ऐप उपलब्ध कराया गया है। इस ऐप पर युवाओं से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलती है। बीए, बीएससी, एमए, एमएससी, बीटेक अथवा अन्य डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद रोजगार की तलाश कर रहे युवा भी इसका लाभ उठा सकते हैं। ऐप पर स्कॉलरशिप, इंटर्नशिप, मुख्यमंत्री युवा योजना और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सहित विभिन्न योजनाओं का विवरण उपलब्ध है। इसके जरिए युवा अपनी योग्यता और जरूरत के अनुरूप रोजगार, प्रशिक्षण और स्वरोजगार से जुड़े अवसरों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने देश की पहली स्वदेशी बर्ड फ्लू वैक्सीन जारी की

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (एनआईएचएसएडी) में विकसित बर्ड फ्लू (एच5एन1) की देश की पहली स्वदेशी चिकन वैक्सीन राष्ट्र को समर्पित की। चौहान ने इस अवसर पर भोपाल में 300 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बर्ड फ्लू के इस स्वरूप की दुनिया की पहली वैक्सीन भारतीय वैज्ञानिकों ने विकसित की है और इसकी एक खुराक की कीमत एक से दो रुपये के बीच होगी।

उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन पोल्ट्री उद्योग और मुर्गीपालकों की आजीविका को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कोविड-19 के बाद अब बर्ड फ्लू के खिलाफ स्वदेशी वैक्सीन विकसित कर वैज्ञानिक क्षमता का परिचय दिया है। उन्होंने राहुल गांधी का बिना नाम लिए विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि विदेशों में जाकर देश की संवैधानिक संस्थाओं, वैज्ञानिकों और सेना की क्षमता पर सवाल उठाने वालों को भारत की उपलब्धियां देखनी चाहिए।

चौहान ने कहा, दुनिया आज के आत्मनिर्भर और विकसित भारत को देखे। देश के सामर्थ्य को कमतर आंकने का पाप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले इस वैक्सीन का लोकार्पण दिल्ली से करने की योजना थी, लेकिन उन्होंने इसे भोपाल में ही राष्ट्र को समर्पित करने का निर्णय लिया, क्योंकि यहां के वैज्ञानिकों ने दिन-रात मेहनत कर इसे विकसित किया है।

चौहान ने पशुपालन क्षेत्र को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि पशु किसानों के लिए चलते-फिरते एटीएम की तरह हैं और खेती के साथ नियमित आमदनी का जरिया भी हैं। उन्होंने कहा कि पशुपालन का देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 14 प्रतिशत और पोल्ट्री क्षेत्र का एक प्रतिशत योगदान है। मंत्री ने बताया कि खुरपका-मुंहपका रोग से देश को सालाना औसतन 22,000 करोड़ रुपये, लंपी त्वचा रोग से 20,000 करोड़ रुपये, ब्रुसेलोसिस से 9,212 करोड़ रुपये और पीपीआर से 4,683 करोड़ रुपये का नुकसान होता था।

संपादक की कलम

भूखा ना रहे अबोध बचपन

समग्र मानवीय संवेदनाओं की दृष्टि से किसी भी देश के लिए दुर्भाग्य का विषय होगा कि वहां के निवासियों के अबोध बच्चे भूखे और कुपोषण के शिकार हो रहे हों ।भारत जैसे विकासशील के संदर्भ में यह बात और भी गंभीर हो जाती है जहां इतनी बड़ी संख्या में बच्चे और बुजुर्ग निवास करते है,खासकर बच्चों को और बुजुर्गों को भोजन की कमी नहीं होनी चाहिए । इसकी वैश्विक स्थिति भी काफी भयावह है ।आर्थिक विकास की चमक के पीछे छिपी भूख, कुपोषण और सामाजिक असमानता की पीड़ा किसी राष्ट्र की सभ्यता, संस्कृति और विकास का वास्तविक मूल्यांकन उसकी ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों, औद्योगिक उत्पादन अथवा डिजिटल उपलब्धियों से नहीं किया जा सकता। किसी देश की वास्तविक समृद्धि का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि उसके नागरिकों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हैं या नहीं। विशेषकर उस देश की नैतिक और सामाजिक स्थिति का आकलन इस बात से होना चाहिए कि उसके अबोध बच्चे भूखे तो नहीं सो रहे हैं। जिस देश में बच्चे कुपोषण से जूझ रहे हों, माताएँ अपने शिशुओं को पर्याप्त पोषण देने में असमर्थ हों और बुजुर्ग दो वक्त की रोटी के लिए दूसरों पर निर्भर हों, वहाँ विकास के तमाम दावों पर गंभीर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। भूख केवल पेट की समस्या नहीं, यह सामाजिक असमानता है। आर्थिक विषमता और मानवीय संवेदनाओं के कमजोर पड़ने का भी संकेत है। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक और विकासशील देश के लिए यह प्रश्न और अधिक महत्वपूर्ण है। एक ओर हम विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, अंतरिक्ष विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, औद्योगिक उत्पादन और डिजिटल अर्थव्यवस्था में नई उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बच्चों का कुपोषण हमारी सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था के सामने चुनौती बनकर खड़ा है। आखिर विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक क्यों नहीं पहुँच पा रहा है? खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता के बावजूद भोजन और पोषण की समस्या क्यों बनी हुई है? इन प्रश्नों का उत्तर केवल सरकारी योजनाओं में नहीं, बल्कि हमारी आर्थिक प्राथमिकताओं और सामाजिक व्यवस्था में भी तलाशना होगा। यह अत्यंत चिंता का विषय है कि नवंबर 2026 तक उपलब्ध ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2026 के अनुसार भारत 122 देशों में 100वें स्थान पर है और उसका स्कोर 24.1 है। इसे गंभीर श्रेणी में रखा जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में अल्पपोषण की दर 9.8 प्रतिशत, पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों में बौनापन 29.3 प्रतिशत और दुबलापन 19 प्रतिशत है। पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर 2.7 प्रतिशत दर्ज की गई है। विशेष रूप से बच्चों में दुबलेपन की ऊँची दर देश की पोषण व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती है। यह भी समझना जरूरी है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स केवल भूखे लोगों की संख्या नहीं बताता, बल्कि अल्पपोषण, बच्चों के शारीरिक विकास और बाल मृत्यु जैसे संकेतकों के माध्यम से भूख की व्यापक स्थिति को सामने रखता है। भारत की स्थिति को केवल वैश्विक रैंकिंग के नजरिये से देखा जाना पर्याप्त नहीं होगा, लेकिन इन आँकड़ों को नजरअंदाज करना भी उचित नहीं है। हमें यह समझना होगा कि खाद्यान्न उत्पादन और खाद्य सुरक्षा में अंतर है। किसी देश के गोदामों में अनाज का पर्याप्त भंडार होना इस बात की गारंटी नहीं है कि प्रत्येक नागरिक की थाली में पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (2023-24) के परिणामों ने भारत के सामने एक मिली-जुली तस्वीर प्रस्तुत की है। मई 2026 में जारी इस सर्वेक्षण में लगभग 6.79 लाख परिवारों और 715 जिलों को शामिल किया गया।



ललित शर्मा
संपादक

जेलें मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाने के केन्द्र बने



ललित गर्ग
लेखक



किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपराधियों को कितनी कठोर सजा देता है, बल्कि इससे होती है कि वह अपराध करने वाले मनुष्य को सुधारने के कितने अवसर देता है। अपराध की गंभीरता को कम करना न्याय नहीं है, लेकिन अपराधी को हमेशा अपराध की पहचान से बांध देना भी न्याय की पूर्ण अवधारणा नहीं हो सकती। सजा आवश्यक है, किंतु सजा का अंतिम उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, सुधार, नवनिर्माण और समाज की सुरक्षा होना चाहिए। इसी मानवीय दृष्टि से अब समय आ गया है कि भारत की जेल व्यवस्था को एक नई सोच, नई भाषा और नई कार्यप्रणाली दी जाए। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य की सभी जेलों में 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जेलों की आंतरिक व्यवस्था, बंदियों की समस्याओं, स्वास्थ्य, रहन-सहन, पुनर्वास तथा अधिकारों की निगरानी के लिए स्वतंत्र और संवेदनशील व्यवस्था बनाना निश्चित रूप से स्वागतयोग्य पहल है। बहुत जरूरत है कि दंड से सुधार, अपराधबोध से आत्मबोध और कारावास से पुनर्वास की ओर बढ़े भारतीय जेल व्यवस्था। इसे केवल किसी न्यायिक निर्देश की अनुपालना मानकर सीमित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि जेल सुधार की व्यापक राष्ट्रीय नीति का प्रारंभिक बिंदु बनाया जाना चाहिए।

जेल शब्द ही हमारी मानसिकता का दर्पण है। 'जेल' सुनते ही हमारे मन में बंद दीवारें, सलाखें, अपराध, सजा और भय की तस्वीर उभरती है। क्या हम इस संस्थान को ऐसी भाषा दे सकते हैं, जो सुधार की संभावना को सामने रखे? 'सुधारगृह', 'पुनर्वास केंद्र', 'मानव पुनर्निर्माण केंद्र', 'नवजीवन केंद्र' अथवा 'मानव सुधार एवं पुनर्वास गृह' जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। नाम बदलना मात्र प्रतीकात्मक कार्य नहीं होगा, यदि उसके साथ कार्यसंस्कृति भी बदले। दीवारों पर लिखे शब्द बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती। व्यवस्था तब बदलती है जब उसके पीछे की सोच बदलती है। भारत की जेल व्यवस्था आज अनेक चुनौतियों से घिरी है। क्षमता से अधिक बंदी, बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी, कर्मचारियों की कमी, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, अपर्याप्त पुनर्वास व्यवस्था तथा कभी-कभी भेदभाव और दुर्व्यवहार की शिकायतें यह बताती हैं कि केवल कारागार भवनों का विस्तार पर्याप्त नहीं है। हमें 'अपराध प्रबंधन' से आगे बढ़कर 'मानव पुनर्निर्माण' की व्यवस्था विकसित करनी होगी।

जेल में बंद व्यक्ति अपराध कर सकता है, लेकिन वह केवल अपराध नहीं है। उसके भीतर एक मनुष्य भी है-जिसमें विचार बदलने, पश्चात्ताप करने, सीखने और नया जीवन शुरू करने की क्षमता हो सकती है। न्याय व्यवस्था उसके अपराध का निर्धारण करती है, लेकिन सुधार व्यवस्था उसके भविष्य की संभावना तलाश सकती है। इसलिए जेल प्रशासन को सुरक्षा और अनुशासन के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी सक्रिय होना चाहिए। यहीं से 'सुधारगृह' की अवधारणा महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रत्येक जेल में अच्छी पुस्तकालय व्यवस्था हो, नियमित खेलकूद हों, योग और ध्यान की गतिविधियां हों, प्रेरक व्याख्यान हों, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण हो, संगीत, कला, लेखन और हस्तशिल्प जैसी रचनात्मक गतिविधियां हों। कैदियों के लिए व्यक्तित्व विकास, क्रोध-प्रबंधन, नशामुक्ति, पारिवारिक संबंध, नैतिक शिक्षा और जीवन-कौशल की कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। उन्हें केवल यह न बताया जाए कि उन्होंने क्या गलत किया, बल्कि यह भी सिखाया जाए कि अब उन्हें सही दिशा में कैसे आगे बढ़ना है। इस संदर्भ में भारत के अणुव्रत आंदोलन का अनुभव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आचार्य तुलसी के नेतृत्व में अणुव्रत आंदोलन ने प्रारंभ से ही व्यक्ति के भीतर नैतिक चेतना जगाने को परिवर्तन का आधार माना। जेलों में भी अणुव्रत के माध्यम से नैतिक जागरण, आत्मचिंतन, ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जुड़े कार्यक्रम चलाए गए। इसका मूल संदेश था कि मनुष्य को केवल उसके अतीत से नहीं, उसके परिवर्तन की संभावना से भी देखा जाना चाहिए। यह अनुभव आज की जेल सुधार नीति के लिए महत्वपूर्ण प्रेरणा बन सकता है। अपराध से लड़ने का एक रास्ता कठोरता है, लेकिन उससे अधिक स्थायी रास्ता चेतना का परिवर्तन है। जिस व्यक्ति को पुस्तक पढ़ने, किसी विद्वान को सुनने, ध्यान करने, योग सीखने, कोई हुनर विकसित करने और अपने जीवन पर विचार करने का अवसर मिलता है, उसके भीतर परिवर्तन के द्वार खुल सकते हैं। जेल में बंद व्यक्ति को समाज से काटकर रखना आवश्यक हो सकता है, लेकिन उसे मानवीय समाज से पूरी तरह विमुख कर देना आवश्यक नहीं है। 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' की नई व्यवस्था को भी इसी व्यापक दृष्टि से जोड़ा जाना चाहिए। बोर्ड केवल निरीक्षण करने वाला निकाय न हो, बल्कि जेल सुधार का संवेदनशील प्रहरी बने। वह बंदियों से सीधे संवाद करे, उनकी शिकायतें सुने, स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति देखे, कानूनी सहायता की उपलब्धता जांचे और पुनर्वास कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का आकलन करे। उसकी रिपोर्टों के आधार पर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित किए जाएं। यदि संभव हो तो नागरिक समाज, शिक्षा, मनोविज्ञान, चिकित्सा, विधि, खेल, योग, आध्यात्म और सामाजिक सेवा से जुड़े विशेषज्ञों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए। साथ ही, विचाराधीन बंदियों की समस्या को अलग प्राथमिकता मिलनी चाहिए। जिसका अपराध अभी सिद्ध ही नहीं हुआ, उसके लंबे कारावास को न्याय के व्यापक उद्देश्य के संदर्भ में देखना होगा। त्वरित न्याय, प्रभावी कानूनी सहायता, जमानत व्यवस्था और वैकल्पिक उपायों को मजबूत किए बिना जेलों की भीड़ कम करना कठिन होगा। सरकार को अब राष्ट्रीय 'जेल सुधारगृह कार्ययोजना' जैसी व्यापक पहल पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक जेल के लिए सुधार का वार्षिक लक्ष्य तय हो।

क्वाडः सहयोग का मंच या शक्ति-संतुलन की नई धुरी?



डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका



हिंद-प्रशांत क्षेत्र आज विश्व राजनीति का ऐसा केंद्र बन चुका है, जहाँ समुद्री सुरक्षा, व्यापारिक हित, सामरिक प्रतिस्पर्धा और वैश्विक शक्ति-संतुलन एक-दूसरे से जुड़े हैं। चीन की बढ़ती सैन्य सक्रियता, समुद्री विवाद, व्यापारिक निर्भरता और महत्त्वपूर्ण तकनीकों पर नियंत्रण की होड़ ने इस क्षेत्र को रणनीतिक दृष्टि से संवेदनशील बना दिया है। ऐसे समय में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का चतुर्पक्षीय सहयोग समूह 'क्वाड' भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति का महत्त्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। इसका महत्त्व केवल चार देशों के आपसी सहयोग तक सीमित नहीं, बल्कि एक ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा है, जिसमें स्वतंत्रता, नियमों का सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक विकास को प्राथमिकता मिले।

भारत की हिंद-प्रशांत नीति का उद्देश्य किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनकर शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि क्षेत्र में संतुलन, स्थिरता और सहयोग बनाए रखना है। क्वाड भारत को अपनी समुद्री, आर्थिक और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर देता है। हिंद महासागर भारत की आर्थिक जीवनरेखा है। देश का व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संपर्क समुद्री मार्गों पर निर्भर हैं। मलक्का जलडमरूमध्य, होर्मुज जलडमरूमध्य और हिंद महासागर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा भारत के आर्थिक हितों से सीधे जुड़ी है। इन क्षेत्रों में किसी भी तनाव, अवरोध या समुद्री असुरक्षा का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। क्वाड के माध्यम से समुद्री निगरानी, सूचनाओं के आदान-प्रदान, समुद्री डकैती की रोकथाम और सुरक्षित नौवहन में सहयोग बढ़ाया जा सकता है।

क्वाड का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन है। दक्षिण चीन सागर में विवाद, समुद्री सीमाओं को लेकर तनाव और एकतरफा गतिविधियाँ छोटे देशों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारत ऐसी व्यवस्था का समर्थक है, जिसमें सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार अपने अधिकारों का उपयोग करने की स्वतंत्रता मिले। क्वाड इस दृष्टिकोण को सामूहिक स्वर प्रदान करता है। इसके माध्यम से भारत क्षेत्रीय शांति, समुद्री स्वतंत्रता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर सकता है। यह चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच संतुलन बनाए रखने का अवसर भी है, लेकिन भारत की नीति टकराव के बजाय संयम और कूटनीति पर आधारित रहनी चाहिए। आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी क्वाड की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वैश्विक संकटों, युद्धों और महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुछ सीमित देशों पर अत्यधिक निर्भर आपूर्ति व्यवस्था अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकती है। औषधियों, अर्धचालकों, दुर्लभ खनिजों, ऊर्जा और तकनीकी उपकरणों की आपूर्ति में विविधता लाना अब आर्थिक विवशता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता बन गया है। क्वाड के सहयोग से भारत को निवेश, विनिर्माण, नई तकनीकों और वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। इससे भारत को केवल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादन और नवाचार के विश्वसनीय केंद्र के रूप में विकसित होने में सहायता मिलेगी। तकनीकी सहयोग क्वाड की भविष्यगत शक्ति का प्रमुख आधार है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल ढाँचे जैसे क्षेत्रों में साझा प्रयास भारत की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। आज साइबर हमले, संचार व्यवस्था में व्यवधान और समुद्र के भीतर बिछी संचार केबलों की सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा हैं। यदि भारत इन क्षेत्रों में सहयोग के साथ अपनी अनुसंधान क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और घरेलू उद्योग को विकसित करता है, तो यह साझेदारी उसके दीर्घकालीन हितों के लिए लाभकारी होगी। क्वाड का मानवीय पक्ष भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। वर्ष 2004 की हिंद महासागर सुनामी के बाद आपदा राहत और मानवीय सहायता के क्षेत्र में सहयोग की भावना ने इस समूह की प्रारंभिक पृष्ठभूमि तैयार की थी। आज जलवायु परिवर्तन, चक्रवात, समुद्री दुर्घटनाएँ, महामारी और प्राकृतिक आपदाएँ पूरे क्षेत्र के सामने साझा चुनौतियाँ हैं। राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता, बचाव अभियान और आपदा के समय त्वरित समन्वय में क्वाड देशों का सहयोग अनेक जीवन बचा सकता है। भारत अपनी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और मानवीय सहायता क्षमता के कारण इस क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। साथ ही, क्वाड भारत की पूर्व की ओर देखो नीति को मजबूती देकर आसियान देशों के साथ संबंधों को गहरा करने में सहायक है।

फिर भी क्वाड की राह आसान नहीं है। चारों देशों के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक प्राथमिकताएँ हमेशा एक जैसी नहीं होतीं। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और सामरिक स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्त्व देता है। वह किसी एक शक्ति के प्रभाव में अपनी निर्णय क्षमता सीमित नहीं करना चाहता। दूसरी ओर, चीन के प्रति सदस्य देशों के दृष्टिकोण में भी अंतर है। चीन के साथ आर्थिक संबंध, क्षेत्रीय व्यापार और कूटनीतिक आवश्यकताएँ कई देशों को संतुलित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। यही कारण है कि क्वाड के भीतर साझा सहमति बनाना और उसे प्रभावी कार्रवाई में बदलना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

एक अन्य चुनौती यह है कि क्वाड कोई औपचारिक सैन्य गठबंधन नहीं है। इसके निर्णय बाध्यकारी नहीं हैं और सहयोग के लिए स्पष्ट कार्यान्वयन व्यवस्था सीमित है। यदि बैठकें, घोषणाएँ और साझा वक्तव्य ठोस परिणामों में नहीं बदलते, तो इसकी विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। इसके अतिरिक्त, चीन की विरोधात्मक प्रतिक्रिया और क्षेत्रीय देशों की संवेदनशीलताएँ क्वाड के विस्तार तथा प्रभाव को सीमित कर सकती हैं। इसलिए भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि क्वाड किसी टकरावकारी समूह की छवि न बनाए, बल्कि क्षेत्रीय देशों के विकास, सुरक्षा और स्वतंत्र निर्णय क्षमता का सम्मान करे।

भारत के लिए आगे का रास्ता स्पष्ट है। क्वाड को समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, तकनीकी सहयोग, आर्थिक साझेदारी और आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती जैसे व्यावहारिक क्षेत्रों में परिणाम देने चाहिए। आसियान की केंद्रीय भूमिका का सम्मान करते हुए छोटे और विकासशील देशों की आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सहयोग का मूल्य केवल शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि क्षेत्रीय देशों के जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलाव से तय होना चाहिए। क्वाड भारत के लिए अवसर भी है और कूटनीतिक परीक्षा भी। भारत को अपनी समुद्री शक्ति, आर्थिक क्षमता और तकनीकी विकास को मजबूत करते हुए स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखनी होगी। उसकी वास्तविक सफलता किसी गुट के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति और संतुलन स्थापित करने में है।

यदि क्वाड सहयोग, विश्वास और

सबको एक दिन जाना है,अहंकार किसके लिए?

किशन भावनानीं
कविता



ये जीत किसके लिए,ये हार किसके लिए,
क्यों जीवनभर तकरार,आखिर किसके लिए,
चंद लम्हों की है ये दुनिया,चंद साँसों का सफर,
फिर नफरतों का ये व्यापार,आखिर किसके लिए?

जो आज शिखर पर है,कल जमीन पर आएगा,
वक्त का पहिया हर किसी को आईना दिखाएगा,
न दौलत साथ जाएगी,न पद का अभिमान,
फिर किस बात का इतना गुरूर इंसान?

क्यों रिश्तों को तोड़कर जीत का जश्न मनाते हो,
क्यों अपनों के दिलों में नफरत के बीज बोते हो,
चार दिन की जिंदगी में प्यार के दीप जलाइए,
किसी को गिराकर नहीं, किसी को उठाकर मुस्कुराइए।

जो आया है धरा पर,उसे लौटकर जाना है,
हर महल,हर तख़्त को एक दिन मिट्टी में समाना है,
न कोई सिकंदर रहा,न कोई ताज अमर हुआ,
फिर किस बात का अभिमान,जब सबको मिट जाना है?

न जीत का घमंड रखोन हार का मलाल रखो,
दिल में प्रेम की खुशबू,होंठों पर मीठे बोल रखो,
किशन जाते वक्त बस नेकियों की पहचान रह जाती है,
इंसान की असली दौलत उसकी इंसानियत कहलाती है।

घर भी, नौकरी भीः महिला कैसे बनाए संतुलन?



डॉ विजय गर्ग
लेखक

आज की महिला शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, व्यापार, स्वास्थ्य, खेल और अन्य सभी क्षेत्रों में अपनी योग्यता का प्रमाण दे रही है। वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही है और परिवार की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। लेकिन इस सफलता के साथ उसके सामने एक बड़ी चुनौती भी है—घर और नौकरी के बीच संतुलन बनाए रखना। कामकाजी महिला के लिए सुबह से रात तक का समय अक्सर जिम्मेदारियों से भरा होता है।

घर के काम, बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की जरूरतें, कार्यालय का काम और सामाजिक जिम्मेदारियां उसके समय और ऊर्जा की मांग करती हैं। कई बार वह अपनी इच्छाओं, स्वास्थ्य और आराम को भी पीछे छोड़ देती है।

समय का सही प्रबंधन जरूरी

घर और नौकरी के बीच तालमेल बनाने के लिए समय की सही योजना बहुत जरूरी है। दिनभर के कामों की सूची बनाना, महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देना और अनावश्यक कामों से बचना लाभदायक हो सकता है। हर काम स्वयं करने के बजाय कुछ जिम्मेदारियां परिवार के अन्य सदस्यों के साथ साझा करनी चाहिए।

परिवार का सहयोग सबसे महत्वपूर्ण

घर की जिम्मेदारी केवल महिला की नहीं, बल्कि पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी है। पति, बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों को घरेलू कार्यों में भाग लेना चाहिए। जब परिवार के सदस्य एक-दूसरे का सहयोग करते हैं, तो महिला का बोझ कम होता है और पारिवारिक संबंध भी मजबूत होते हैं।

काम और निजी जीवन के बीच सीमा बनाएं

कार्यालय का काम घर लाने और हर समय मोबाइल या ईमेल से जुड़े रहने की आदत से बचना चाहिए। काम के समय काम और परिवार के साथ बिताए जाने वाले समय में परिवार को प्राथमिकता देनी चाहिए। इससे मानसिक तनाव कम होता है और जीवन में संतुष्टि बढ़ती है।

अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें

कई कामकाजी महिलाएं परिवार और नौकरी की जिम्मेदारियां निभाते हुए अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पातीं। संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, नियमित व्यायाम और मनोरंजन के लिए समय निकालना जरूरी है। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना स्वार्थ नहीं, बल्कि बेहतर जीवन की आवश्यकता है।

कार्यस्थल पर भी मिले सहयोग

संस्थाओं और सरकार को भी कामकाजी महिलाओं की जरूरतों को समझना चाहिए। लचीले कार्य घंटे, माता-पिता के लिए छुट्टियां, सुरक्षित कार्यस्थल, बच्चों की देखभाल की सुविधाएं और समान अवसर महिलाओं को अपना करियर आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

पूर्णता नहीं, संतुलन जरूरी

महिला को यह समझना चाहिए कि हर दिन हर काम पूरी तरह करना संभव नहीं होता। कई बार कुछ काम अगले दिन के लिए छोड़ देना भी उचित है। स्वयं से असंभव अपेक्षाएं रखने के बजाय अपनी क्षमता और परिस्थितियों के अनुसार काम करना चाहिए। वास्तव में घर और नौकरी के बीच संतुलन बनाना केवल महिला की व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं है।

नशे का सबसे बड़ा नुकसान परिवार और बच्चों को

एक व्यक्ति की नशे की आदत, पूरे परिवार की परेशानी



उपदेश कुमार
क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी, मेरठ क्षेत्र
मद्यनिषेध विभाग, उत्तर प्रदेश



परिवार किसी भी समाज की सबसे छोटी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। परिवार में प्रेम, विश्वास, सुरक्षा और संस्कारों का विशेष महत्व होता है। लेकिन जब परिवार का कोई सदस्य नशे की गिरफ्त में आता है, तो उसका प्रभाव केवल उसी व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है।

नशे की आदत के कारण व्यक्ति की आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। परिवार की आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च होने वाला धन भी प्रभावित हो सकता है। कई बार पारिवारिक संबंधों में तनाव और आपसी विश्वास की कमी उत्पन्न हो जाती है।

इसका सबसे गहरा प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। बच्चे अपने घर के वातावरण से ही जीवन के संस्कार और व्यवहार सीखते हैं। यदि उन्हें घर में नशे से जुड़ी समस्याएं दिखाई देती हैं, तो उनके मानसिक और सामाजिक विकास पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए परिवार के प्रत्येक सदस्य को नशे के विरुद्ध जागरूक होना चाहिए।

माता-पिता को बच्चों के साथ खुलकर संवाद करना चाहिए और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। मद्यनिषेध विभाग, शिक्षा विभाग और सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से परिवार आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

साथ ही नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों को विशेषज्ञों की सहायता और उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि नशामुक्त परिवार ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है। परिवार बचाइए, भविष्य बचाइए और नशे से दूरी अपनाइए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

गढ़ गंगा मेले में पहली बार सजी स्वदेशी अश्व प्रदर्शनी, विधायक हरेंद्र तेवतिया ने किया शुभारंभ

विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आकर्षक नस्लों के देशी घोड़े बने श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र, पशु बाजार सेक्टर में आयोजित प्रदर्शनी से मेले की बढ़ी भव्यता

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा



गढ़मुक्तेश्वर (हापुड़)। कार्तिक पूर्णिमा गढ़ गंगा मेला 2026 में इस बार श्रद्धालुओं को एक नया आकर्षण देखने को मिल रहा है। मेले में पहली बार स्वदेशी अश्व प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। पशु बाजार सेक्टर में आयोजित इस प्रदर्शनी का शुभारंभ गढ़ विधायक हरेंद्र तेवतिया ने जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह की उपस्थिति में फीता काटकर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न स्थानों से लाए गए देशी घोड़ों को देखकर उनकी विशेषताओं की जानकारी ली। प्रदर्शनी में अलग-अलग क्षेत्रों से आकर्षक नस्लों के स्वदेशी घोड़े लाए गए हैं। उनकी कद-काठी, बनावट, चाल और विशेषताओं को देखने के लिए मेले में पहुंच रहे श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। पहली बार आयोजित इस प्रदर्शनी ने गढ़ गंगा मेले में एक नया आकर्षण जोड़ दिया है। पशु बाजार सेक्टर में घोड़ों को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट रही है। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इस प्रदर्शनी का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। स्वदेशी अश्व प्रदर्शनी के आयोजन का उद्देश्य देशी घोड़ों की पहचान, उनकी विशेषताओं और भारतीय अश्व परंपरा को प्रोत्साहित करना है। भारत में घोड़ों का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में पाई जाने वाली देशी नस्लों की अपनी अलग पहचान और विशेषताएं हैं। ऐसे आयोजन लोगों को इन नस्लों के बारे में जानने और स्वदेशी पशुधन के संरक्षण के प्रति जागरूक होने का अवसर प्रदान करते हैं। विधायक हरेंद्र तेवतिया ने प्रदर्शनी के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित इस पहल को मेले के आकर्षण में वृद्धि करने वाला बताया। जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में स्वदेशी अश्वों की प्रदर्शनी को लेकर उत्साह देखने को मिला। प्रदर्शनी में पहुंचे श्रद्धालुओं ने घोड़ों की सुंदरता और उनकी विशेषताओं को करीब से देखा।

कार्तिक पूर्णिमा गढ़ गंगा मेले में श्रद्धालुओं के मनोरंजन और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के आयोजन भी किए जा रहे हैं। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आकर्षक सजावट, सेल्फी स्थल और अन्य मनोरंजन केंद्र तैयार किए गए हैं। श्रद्धालु धार्मिक आयोजनों में भाग लेने के साथ मेले की विभिन्न गतिविधियों का भी आनंद ले रहे हैं। स्वदेशी अश्व प्रदर्शनी के आयोजन से मेले में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ पशुधन एवं भारतीय परंपरा से जुड़ा एक नया आयाम जुड़ गया है। पहली बार आयोजित इस प्रदर्शनी को लेकर श्रद्धालुओं में उत्सुकता बनी हुई है। आयोजकों का प्रयास है कि गढ़ गंगा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को धार्मिक आस्था के साथ भारतीय संस्कृति, परंपरा और स्वदेशी विरासत से जुड़े विविध आकर्षण भी देखने को मिलें। गढ़ गंगा मेले में पहली बार आयोजित स्वदेशी अश्व प्रदर्शनी को भारतीय पशुधन और पारंपरिक संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। भारत में प्राचीन काल से ही घोड़ों का विशेष महत्व रहा है। युद्ध, परिवहन, ग्रामीण जीवन और राजसी परंपराओं में घोड़ों की अहम भूमिका रही है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में पाई जाने वाली स्वदेशी अश्व नस्लें अपनी सुंदरता, शारीरिक बनावट, फुर्ती और सहनशक्ति के लिए जानी जाती हैं। ऐसी प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को इनकी विशेषताओं को करीब से जानने का अवसर मिलता है। गढ़ गंगा मेला केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं और ग्रामीण जीवन की झलक प्रस्तुत करने वाला विशाल आयोजन भी है। यहां पशु बाजार, पारंपरिक खानपान, ग्रामीण परिवेश और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां मेले को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। अश्व प्रदर्शनी इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास है। इससे पशुपालकों और अश्व प्रेमियों को भी अपनी रुचि एवं जानकारी साझा करने का मंच मिलता है। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में इस प्रदर्शनी को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा, जिससे स्वदेशी नस्लों के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार को नई दिशा मिल सकेगी।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा द्वारा वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा



मुरादाबाद। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा महानगर मुरादाबाद द्वारा वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई जी की जयंती का कार्यक्रम टाइनी टाट्स कॉलेज सिविल लाइंस मुरादाबाद में उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती जी परशुराम जी तथा लक्ष्मीबाई जी के चित्रों के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन तथा पुष्पार्पण से हुआ। सरस्वती वंदना श्रीमती मनु शर्मा,स्वागत गीत वंदना शर्मा ने नमो नमो भजन गीत पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं उन्नति गौड़, आस्था जोशी, सुप्रिया मिश्रा, कुणाल शर्मा, अभिषेक गौड़ आदि तथा दिव्यांश ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया, नारी शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए एक युगल नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम रोचक आकर्षक और मनोहारी रहे। अतिथियों का स्वागत संस्था के अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में संस्था के प्रेरणा स्रोत डॉ प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि रानी लक्ष्मी बाई शौर्य, साहस, वीरता तथा नारी शक्ति की प्रतीक थी। उन्होंने तत्कालीन अंग्रेज शासको का अपनी साथिनों के साथ मिलकर जबरदस्त मुकाबला किया और उनके सामने समर्पण नहीं किया। आज के समय में उनका जीवन हम सभी के लिए आदर्श है देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए हमें उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा भगवान परशुराम जी की जयंती पर निर्बंधित अवकाश घोषित किया गया है जबकि ब्राह्मण समाज चाहता है कि यह अवकाश निर्बंधित होने के स्थान पर सार्वजनिक हो। कार्यक्रम की संयोजिका डॉक्टर इंदु पारीक ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालयों में इस प्रकार के प्रेरणादायक कार्य करने से समाज को एक सकारात्मक दिशा प्राप्त होती है तथा साथ-साथ उत्साह का भी संवर्धन होता है,विद्यालय का सौभाग्य है कि इस प्रकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को आयोजित करने का उसे अवसर मिलता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरि ओम शर्मा ने आयोजित कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की तथा अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा को इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बधाई दी।अंत में कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ के. के. मिश्रा ने कहा कि यहां इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर निश्चित तौर से गौरव और सम्मान की अनुभूति होती है लक्ष्मीबाई जी हमारी आदर्श हैं और हमें सदैव उनके किए गए कार्यों को अपने हृदय में बनाए रखना चाहिए। इस अवसर पर डॉ विश्वास शर्मा, डॉ एपी शर्मा, डॉ प्रेमवती उपाध्याय, सुशील शर्मा, विमलेंद्र शर्मा, डॉ एमएम शर्मा, गोपाल मिश्रा, उषा शर्मा, श्वेता शर्मा, रिचा शर्मा, राजेश आचार्य, धवल दीक्षित, अनिमेष शर्मा, नीटू उपाध्याय, अमित शर्मा राजू, अभिषेक चतुर्वेदी, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मुख्य संयोजिका शकुंतला पारीक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री सुनील कुमार शर्मा ने किया।

महिला आयोग की सदस्य डॉ. हिमानी अग्रवाल ने सुनीं 10 पीड़ित महिलाओं की समस्याएं, अधिकारियों को दिए कार्रवाई के निर्देश



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. हिमानी अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को मेरठ रोड स्थित सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान घरेलू हिंसा एवं अन्य समस्याओं से पीड़ित 10 महिलाओं की शिकायतें सुनी गईं। जनसुनवाई में पारिवारिक विवाद, दहेज उत्पीड़न, मारपीट एवं छेड़छाड़ से संबंधित मामले सामने आए। डॉ. हिमानी अग्रवाल ने संबंधित थानों के प्रभारियों को शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने और उनकी समस्याओं का गंभीरता से निस्तारण करने पर जोर दिया।इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से पीड़ित महिलाओं को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने की जानकारी भी दी गई। साथ ही बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी हापुड़, महिला थाना प्रभारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला प्रोबेशन कार्यालय से अमित कुमार संरक्षण अधिकारी, रिंकू सिंह सामाजिक कार्यकर्ता, सोनिया प्रभारी वन स्टॉप सेंटर तथा नेहा त्यागी जिला समन्वयक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सात दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का समर्पण समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा



हापुड़। जनपद में भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश जनपद संस्था हापुड़ के तत्वावधान में प्रादेशिक मुख्यालय के निर्देशन एवं डॉ. प्रभात कुमार के नेतृत्व में दिनांक 13 से 19 नवंबर 2026 तक श्री जैन कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज, हापुड़ में आयोजित सात दिवसीय बेसिक स्काउट मास्टर, बेसिक गाइड कैप्टन, एडवांस स्काउट मास्टर एवं एडवांस गाइड कैप्टन प्रशिक्षण शिविर का समर्पण समारोह उत्साह, उमंग एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।समारोह के अवसर पर जिला मुख्य आयुक्त पारुल त्यागी, जिला सचिव कृष्ण द्विवेदी एवं जिला कोषाध्यक्ष पीतम सिंह ने शिविर में प्रतिभागियों द्वारा तैयार किए गए आकर्षक एवं उपयोगी कैंप क्राफ्ट का निरीक्षण किया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता, कौशल, अनुशासन एवं प्रशिक्षण के दौरान अर्जित व्यावहारिक ज्ञान का शानदार प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्काउटिंग एवं गाइडिंग का प्रशिक्षण आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना तथा जीवनोपयोगी कौशल विकसित करने का सशक्त माध्यम है।समर्पण समारोह में सभी प्रतिभागियों द्वारा मां सरस्वती की वंदना, स्वागत गीत एवं मनमोहक लोकगीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को विशेष आकर्षण प्रदान किया तथा उपस्थित अतिथियों एवं प्रशिक्षकों का मन मोह लिया।इस सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न पाठ्यक्रमों के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रशिक्षकों एवं सहयोगियों को जनपद संस्था की ओर से सम्मानित किया गया। इनमें एडवांस स्काउट मास्टर कोर्स के संचालक डॉ. मनोज पाठक, एडवांस गाइड कैप्टन कोर्स की संचालिका रेहाना सुल्तान, बेसिक स्काउट मास्टर कोर्स के संचालक पवन राठी एवं अनुज कौशिक तथा बेसिक गाइड कैप्टन कोर्स की संचालिका किरण शर्मा शामिल रहीं।

विवेक विश्वविद्यालय में आज से सजेगा राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप का मंच

21 और 22 नवंबर को प्रदेशभर के खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम, कैडेट, सीनियर, सब-जूनियर और जूनियर वर्गों में होंगी प्रतियोगिताएं

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा



बिजनौर। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से विवेक विश्वविद्यालय, बिजनौर में 21 एवं 22 नवंबर 2026 को आधिकारिक उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का शुभारंभ 21 नवंबर को प्रातः 11 बजे विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ होगा। इस प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन विवेक विश्वविद्यालय एवं ताइक्वांडो एसोसिएशन बिजनौर के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रतियोगिता को उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन (पंजीकृत) का प्रोत्साहन प्राप्त है। आयोजन को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में तैयारियां की गई हैं। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। विवेक विश्वविद्यालय के अध्यक्ष अमित गोयल ने बताया कि चैंपियनशिप में नौवीं कैडेट क्योरुगी, 42वीं सीनियर क्योरुगी और 15वीं सीनियर पूमसे प्रतियोगिताओं का आयोजन पुरुष एवं महिला वर्ग में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सब-जूनियर एवं जूनियर बालक-बालिका वर्ग के नए खिलाड़ी भी प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। अलग-अलग आयु एवं प्रतिस्पर्धा वर्गों में होने वाले मुकाबलों से खिलाड़ियों को अपनी क्षमता साबित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। राज्य स्तरीय मंच पर खिलाड़ियों को अपनी तकनीक, कौशल, अनुशासन और खेल क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अपनी खेल पहचान मजबूत करने का भी अवसर प्राप्त होगा। अमित गोयल ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास और मार्शल आर्ट के प्रति रुचि को बढ़ावा देना है। ताइक्वांडो केवल आत्मरक्षा की कला ही नहीं, बल्कि शारीरिक क्षमता, मानसिक एकाग्रता और आत्मनियंत्रण विकसित करने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने के लिए बेहतर मंच मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले खिलाड़ियों को एक साथ अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलने से खेल के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। साथ ही नई खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। विवेक विश्वविद्यालय प्रबंधन ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ खेल एवं अन्य गतिविधियों में भी आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे आयोजनों से न केवल खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि क्षेत्र में खेल संस्कृति को भी मजबूती मिलती है। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए आयोजन को सफल बनाने के लिए खेल प्रेमियों और खेल संगठनों से सहयोग की अपेक्षा की है।

देवरहा बाबा की भव्य पेंटिंग भेंट कर राजा भैया ने नम आंखों से दी बागेश्वर सरकार को भावुक विदाई

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया





प्रतापगढ़/कुंडा। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कुंडा विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' के आयोजकत्व में बेंती राजभवन में आयोजित चार दिवसीय श्रीराम कथा का शुक्रवार को भावुक माहौल में समापन हो गया। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के प्रस्थान के समय राजभवन में आत्मीयता और श्रद्धा का विशेष दृश्य देखने को मिला। राजा भैया ने उन्हें परम पूजनीय देवरहा बाबा की आकर्षक पेंटिंग भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान संत परंपरा के प्रति श्रद्धा और आपसी आत्मीयता की झलक दिखाई दी। कथा के समापन के साथ ही आयोजन में शामिल श्रद्धालुओं ने भी भावुक मन से बागेश्वर सरकार को विदाई दी। शुक्रवार की सुबह बेंती राजभवन में धार्मिक गतिविधियों के बीच एक विशेष भेंट कार्यक्रम आयोजित हुआ। दिव्य दरबार के आयोजन से पूर्व राजा भैया ने पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को परम पूजनीय देवरहा बाबा का सुंदर एवं आकर्षक पोर्ट्रेट भेंट किया। देवरहा बाबा भारतीय संत परंपरा की प्रतिष्ठित आध्यात्मिक विभूतियों में गिने जाते हैं। उनका चित्र भेंट करना संतों के प्रति सम्मान, आध्यात्मिक विरासत और भारतीय सनातन परंपरा के प्रति श्रद्धा का प्रतीक माना गया।

इस अवसर पर बागेश्वर सरकार ने भी पेंटिंग को ससम्मान स्वीकार किया। कार्यक्रम के दौरान राजा भैया के ज्येष्ठ सुपुत्र कुंवर शिवराज प्रताप सिंह तथा कनिष्ठ सुपुत्र कुंवर बृजराज प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। राजभवन में हुई इस आत्मीय मुलाकात ने चार दिवसीय धार्मिक आयोजन के समापन को विशेष बना दिया। राजा भैया के आयोजकत्व में आयोजित इस श्रीराम कथा में बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने रामकथा के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, मर्यादा, संस्कार, भक्ति और भारतीय संस्कृति के महत्व से अवगत कराया। कथा सुनने के लिए प्रतापगढ़ सहित देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान राजभवन परिसर में धार्मिक उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। कथा के दौरान सनातन धर्म, सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता और हिंदू समाज की एकजुटता जैसे विषय भी चर्चा के केंद्र में रहे। श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया। आयोजन में साधु-संतों, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों तथा विभिन्न स्थानों से पहुंचे श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। चार दिनों तक बेंती राजभवन धार्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना रहा। कथा के समापन और पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के प्रस्थान के समय बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने उन्हें विदाई दी। आयोजन के दौरान बनी आत्मीयता और श्रद्धालुओं की भागीदारी के चलते समापन का क्षण भावुक रहा। भव्य धार्मिक आयोजन के समापन के बाद प्रतापगढ़ की संत परंपरा और आध्यात्मिक विरासत को लेकर भी चर्चा सामने आई। कुछ लोगों के बीच यह सवाल उठा कि सनातन धर्म, संत परंपरा और भारतीय संस्कृति पर केंद्रित इतने बड़े आयोजन में प्रतापगढ़ से जुड़ी प्रमुख आध्यात्मिक विभूतियों का उल्लेख भी किया जा सकता था। इनमें स्वामी करपात्री जी महाराज, जगद्गुरु कृपालु जी महाराज और ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के नाम प्रमुखता से लिए जा रहे हैं। इन विभूतियों का प्रतापगढ़ से आध्यात्मिक एवं क्षेत्रीय जुड़ाव रहा है। इनके विचारों, धार्मिक चिंतन और आध्यात्मिक योगदान ने व्यापक स्तर पर अनुयायियों को प्रभावित किया है। स्वामी करपात्री जी महाराज भारतीय सनातन परंपरा के प्रखर विद्वान एवं धर्माचार्य के रूप में जाने जाते हैं। वहीं जगद्गुरु कृपालु जी महाराज ने भक्ति, आध्यात्मिक चिंतन और धार्मिक प्रवचनों के माध्यम से देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती भी धार्मिक एवं सामाजिक विषयों पर अपने वक्तव्यों के कारण सार्वजनिक चर्चा में रहते हैं। स्थानीय स्तर पर यह विचार भी सामने आया कि प्रतापगढ़ की धार्मिक पहचान और संत परंपरा को राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में स्थान मिलने से जिले की आध्यात्मिक विरासत को नई पहचान मिल सकती है। हालांकि इन संतों का उल्लेख आयोजन में नहीं होने के पीछे आयोजकों की कोई आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है। बेंती राजभवन में आयोजित श्रीराम कथा का समापन धार्मिक आयोजन के साथ-साथ आत्मीय मुलाकातों और संत परंपरा के सम्मान की यादों के साथ हुआ। देवरहा बाबा की पेंटिंग भेंट किए जाने का प्रसंग आयोजन के विशेष क्षणों में शामिल रहा। राजा भैया और पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के बीच हुई इस मुलाकात के बाद बागेश्वर सरकार ने प्रस्थान किया। चार दिनों तक कथा और भक्ति के वातावरण में डूबे रहे श्रद्धालुओं के लिए विदाई का क्षण भावुक रहा। आयोजन के समापन के साथ ही बेंती राजभवन में धार्मिक कार्यक्रमों की रौनक थम गई, लेकिन कथा के प्रसंगों और समापन के दौरान हुए आत्मीय क्षणों की चर्चा लोगों के बीच बनी रही। बेंती में आयोजित रामकथा के बीच दिव्य दरबार आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। रामकथा सुनने के लिए पहले से ही देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। दिव्य दरबार में अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचे लोगों की भीड़ ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया। आस्था, विश्वास और भक्ति के इस संगम में बेंती का कथा पंडाल देर तक श्रद्धालुओं से गुलजार रहा। दिव्य दरबार को लेकर सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना राष्ट्र के विकास की जरूरत : राज्यपाल

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल



देहरादून। उत्तराखंड के राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की भी प्रमुख शक्ति है। महिलाओं की प्रतिभा, क्षमता और दृष्टिकोण को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं गणित जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल लैंगिक समानता का विषय नहीं, बल्कि देश की वैज्ञानिक क्षमता, अनुसंधान और नवाचार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित ह्यस्टेम में महिला सहभागिता एवं सशक्तीकरणह्ल विषयक कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, ज्ञान, सृजन और समृद्धि का आधार माना गया है। जब महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और स्वावलंबन मिलता है, तब समाज की प्रगति अधिक व्यापक और स्थायी होती है। राष्ट्र के समग्र विकास के लिए महिलाओं को शिक्षा, अनुसंधान, तकनीकी कौशल और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग और डिजिटल तकनीक जैसे क्षेत्र भविष्य की आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं। इन क्षेत्रों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। महिलाओं को केवल शिक्षा प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें अनुसंधान, नवाचार, उद्योग, रोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में भी नेतृत्व करने के अवसर मिलने चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण की अवधारणा अब महिला नेतृत्व वाले विकास के व्यापक संकल्प में परिवर्तित हुई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, स्टार्टअप इंडिया और लखपति दीदी जैसी पहलें महिलाओं को शिक्षा, उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए विकसित उत्तराखंड का निर्माण भी आवश्यक है और इसमें नारी शक्ति की नेतृत्वकारी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ सशक्त, विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में युवा शक्ति के साथ नारी शक्ति की भी निर्णायक भूमिका रहेगी। इसके लिए बेटियों को शुरूआत से ही बेहतर शैक्षिक वातावरण और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

राज्यपाल ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं गणित के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी केवल उच्च शिक्षा में प्रवेश तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका विस्तार विद्यालयी शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा, अनुसंधान, उद्योग, रोजगार, उद्यमिता और नेतृत्व तक होना चाहिए। बालिकाओं में विद्यालय स्तर से ही विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और रुचि विकसित करने की जरूरत है। इसके लिए उन्हें प्रयोगशालाओं, वैज्ञानिक गतिविधियों, तकनीकी प्रशिक्षण और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने होंगे। उन्होंने अपने पूर्व अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक समय ऐसा भी था, जब बेटियों के लिए शिक्षा के अवसर और संसाधन बेहद सीमित थे। पांचवीं कक्षा तक पढ़ पाना भी बड़ी उपलब्धि माना जाता था, जबकि आठवीं और कॉलेज की शिक्षा अधिकांश बेटियों के लिए दूर की बात थी। आर्थिक कठिनाइयों के कारण अभिभावक अपनी बेटियों को अच्छी शिक्षा, पुस्तकें और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पाते थे। राज्यपाल ने बताया कि जब उन्हें मध्य प्रदेश में शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, तब उन्होंने बेटियों को विद्यालय जाने के लिए साइकिल, अच्छी पोशाक और पुस्तकें उपलब्ध कराने की पहल की। इन प्रयासों का उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर देना था। उन्होंने कहा कि आज परिस्थितियां काफी बदली हैं। बेटियां विमान उड़ा रही हैं, वैज्ञानिक, चिकित्सक और अभियंता बन रही हैं तथा जीवन के लगभग हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। इसके बावजूद अभी भी बड़ी संख्या में ऐसी बेटियां हैं, जिन्हें आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। समाज और सरकार को मिलकर ऐसी बालिकाओं तक शिक्षा और संसाधन पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिभा को केवल आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियों के कारण आगे बढ़ने से नहीं रोका जाना चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल ने ह्यनशा मुक्त भारत ऐप हैकाथॉनह्ल का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नशा मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए देशवासियों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और सामर्थ्य को नशे से बचाकर राष्ट्र निर्माण में लगाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस हैकाथॉन के माध्यम से युवा अपनी तकनीकी प्रतिभा और नवाचार क्षमता का उपयोग कर नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने, परामर्श उपलब्ध कराने और जरूरतमंद लोगों को सहायता पहुंचाने के लिए प्रभावी डिजिटल समाधान विकसित कर सकेंगे।

राधा-कृष्ण के जयकारों की गूंज के साथ ब्रज चौरासी कोसी परिक्रमा पहुंची राधाकुंड, संतों ने किया स्वागत, गिरिराज महाराज की लगाई परिक्रमा





वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। ब्रज की पावन धरा इन दिनों हरिनाम संकीर्तन से गूंज रही है। कार्तिक नियम सेवा के अनुष्ठान और ब्रज दर्शन की लालसा में देशी विदेशी भक्त राधे नाम की धुन में खोए हुए हैं। बरसाना के गोलोकवासी विरक्त संत पद्मश्री रमेश बाबा की सद्प्रेरणा से निकली ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा अपने 38वें वर्ष में पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आगे बढ़ रही है। राधाकुंड पहुंचने पर श्री रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी के गद्दी नशीन पीठाधीश्वर महंत केशव दास महाराज ने ठाकुर जी के डोला पर माल्यार्पण कर महंत ब्रज शरण महाराज, राधाकांत शास्त्री आदि का स्वागत किया। स्वागत करने वालों में तारक नाथ सरकार, वासुदेव दास, जयपुर से आए घनश्याम बिहानी , प्रतिभा बिहानी आदि ने स्वागत किया। परिक्रमा में सबसे आगे मानमंदिर के बालक-बालिकाएं ठाकुर जी के डोला के साथ चल रहे थे। भगवा एवं श्वेत वस्त्र धारण किए संत युगल सरकार के संकीर्तन के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे। ढोल-मंजीरा, करताल और हरिनाम की धुन पर पूरा वातावरण भक्तिरस में डूबा हुआ था। हजारों की संख्या में संत, बटुक और भक्त इस परिक्रमा में शामिल हैं।

क्या है चौरासी कोस परिक्रमा

ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा ब्रज के 12 वनों, 24 उपवनों, पर्वतों, कुंडों और लीला स्थलों की परिक्रमा है। मान्यता है कि इस परिक्रमा को करने से भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराधा रानी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। बरसाना के मानमंदिर से शुरू होने वाली यह परिक्रमा 36 दिनों में पूरी होती है। इसमें वृंदावन, गोवर्धन, राधाकुंड, बरसाना, नंदगांव, गोकुल, महावन, बलदेव सहित ब्रज के प्रमुख पड़ाव आते हैं।वहीं पद्मश्री रमेश बाबा द्वारा शुरू की गई यह परिक्रमा अब ब्रज की एक बड़ी आध्यात्मिक परंपरा बन चुकी है। इसमें देश-विदेश से हजारों भक्त शामिल होते हैं।

अत्याधुनिक शर्मा जिम फिटनेस का किया गया भव्य शुभारंभ, अनाथ बच्चों को मिलेगी निःशुल्क सुविधा

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/गोवर्धन। राधाकुण्ड क्षेत्र में युवाओं को बेहतर स्वास्थ्य एवं शारीरिक फिटनेस की सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कोन्हई रोड पर शुक्रवार को अत्याधुनिक शर्मा जिम फिटनेस का भव्य शुभारंभ किया गया। जिम में आधुनिक मशीनों एवं व्यायाम से संबंधित सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, जिससे युवाओं को अपनी शारीरिक क्षमता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर जिम संचालक अमित कुमार गौड़ (खेलन गुरु) एवं चंद्रप्रकाश शर्मा ने कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों एवं आगंतुकों का पटका पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया। जिम संचालक ने बताया कि अनाथ बच्चों को जिम में निःशुल्क व्यायाम एवं फिटनेस की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी बच्चा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। शारीरिक अनुशासन के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। इस अवसर पर संचालक अमित कुमार गौड़ (खेलन गुरु), चंद्रप्रकाश गौड़, अशोक गोस्वामी, भोलानाथ दुबे, डॉ.विष्णु रावत, देवेंद्र कौशिक, विष्णु जोशी, दीपक पहलवान, काला पहलवान, सत्यनारायण, गणेश वशिष्ठ, राकेश मुखिया, बलराम ठाकुर, विष्णु शास्त्री, एमजी ग्रुप, यश फिटनेस के सदस्य, सतीश पंडित, योगेश चौधरी, पप्पन पटेल, हरिओम, सुक्कन शर्मा, दीपू कौशिक, राधे उपेंद्र दया आदि उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 के डिजिटल स्व-गणना अभियान को गति देने के लिए आगे आया पुलिस प्रशासन, थानाध्यक्ष अभय शर्मा ने पुलिसकर्मियों को किया प्रेरित

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/बलदेव। भारत की जनगणना-2027 को सफल, पारदर्शी एवं व्यापक जनभागीदारी वाला राष्ट्रीय अभियान बनाने के उद्देश्य से संचालित डिजिटल स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी सक्रिय सहभागिता निभा रहे हैं। इसी क्रम में कार्यालय आज जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी, मथुरा के निदेशों के अनुपालन में आज फील्ड ट्रेनर सुशेंद्र मित्तल, अशोक सारस्वत और पर्यवेक्षक डॉ जगदीश पाठक ने थानाध्यक्ष अभय शर्मा एवं उनके स्टाफ को डिजिटल स्व-गणना के महत्व, उद्देश्य एवं प्रक्रिया की जानकारी देते हुए उन्हें इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया और स्व-गढ़ना करने में सहयोग किया। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों को बताया गया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की भावी विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी नीतियों, संसाधनों के उचित वितरण तथा बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था की आधारशिला है। डिजिटल स्व-गणना के माध्यम से नागरिक स्वयं अपने परिवार की आवश्यक जनगणना संबंधी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

थानाध्यक्ष अभय शर्मा ने अभियान के प्रति सकारात्मक पहल करते हुए अपने अधीनस्थ समस्त पुलिसकर्मियों एवं कार्यालय कार्मिकों से यथाशीघ्र अपनी एवं अपने परिवार की स्व-गणना पूर्ण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। पुलिस विभाग के सभी कार्मिक स्वयं जागरूक होकर इस अभियान में भाग लें तथा अपने परिवारजनों, परिचितों और आसपास के लोगों को भी डिजिटल स्व-गणना के लिए प्रेरित करें। इस दौरान स्व-गणना अभियान के प्रति पुलिसकर्मियों में उत्साह एवं सकारात्मक सहभागिता का संदेश देखने को मिला।

सामूहिक विवाह समारोह में पांच जोड़े बने हमसफर, समाजसेवी गब्बर सैनी ने किया कन्यादान

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर शुक्रवार को जमुनापार स्थित नगला चिरंजी गोला कुआं पर महात्मा ज्योतिबा फुले विकास समिति मथुरा एवं समस्त सहयोगियों के संयुक्त तत्वावधान में 21वां सामूहिक विवाह समारोह हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। समारोह में पांच जोड़ों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर नए जीवन की शुरूआत की। कार्यक्रम में बैंड-बाजों की मधुर धुन के बीच पांचों दूल्हे अपने बारातियों के साथ विवाह स्थल पर पहुंचे। इसके बाद पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ वरमाला कार्यक्रम संपन्न हुआ और वर-वधुओं ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाकर जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। विवाह समारोह में मौजूद लोगों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद दांपत्य जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर गोवर्धन क्षेत्र के गांव अड़ींग निवासी समाजसेवी गुलाब सिंह उर्फ गब्बर सैनी ने विशेष सहयोग करते हुए सभी नवविवाहित जोड़ों को उपहार भेंट किए तथा कन्यादान कर नवदंपतियों का सम्मान किया। उन्होंने आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत-सत्कार भी किया।समाजसेवी गब्बर सैनी ने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज में आपसी सहयोग, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। ऐसे आयोजनों से जरूरतमंद परिवारों को सहारा मिलता है और बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न होता है। देवउठनी एकादशी के शुभ अवसर पर आयोजित इस समारोह ने सामाजिक समरसता और सहयोग की सुंदर मिसाल पेश की।

ईवीएम प्रदर्शन केंद्र का डीएम ने किया उद्घाटन, मतदाताओं को मिलेगी मतदान प्रक्रिया की जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के तहत जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर में ईवीएम प्रदर्शन केंद्र का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान जिलाधिकारी सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ईवीएम से मॉक पोल कर मतदान प्रक्रिया की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्रों छाता, मांट, गोवर्धन, मथुरा और बल्देव के तहसील मुख्यालयों पर भी ईवीएम प्रदर्शन केंद्र स्थापित किए गए हैं। यहां सुबह 10 से शाम पांच बजे तक आमजन को ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझाई जाएगी और मॉक मतदान कराया जाएगा। प्रदर्शन केंद्रों पर तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी आम नागरिकों को मतदान की प्रक्रिया समझाने के साथ उनकी जिज्ञासाओं और शंकाओं का समाधान भी करेंगे। इसका उद्देश्य मतदाताओं में ईवीएम के प्रति विश्वास बढ़ाना और आगामी विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। वहीं, विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत 21 और 22 नवंबर को जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। यहां बीएलओ मौजूद रहकर फॉर्म-6, 7 और 8 के माध्यम से नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, नाम हटाने और विवरण में संशोधन का कार्य करेंगे। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से शिविरों का लाभ उठाने और मतदाता सूची में अपना नाम एवं विवरण जांचने की अपील की। उन्होंने बताया कि दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि 16 दिसंबर है, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन चार जनवरी 2027 को किया जाएगा।

हरिनाम संकीर्तन के साथ चंद्रोदय मंदिर में भव्य कार्तिक उत्सव का हुआ शुभारंभ

दामोदराष्टकम का गान कर भक्तों ने श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र के समक्ष किया दीपदान





वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/वृंदावन! कार्तिक मास की आध्यात्मिक महिमा एवं भक्ति की सनातन परंपरा को समर्पित तीन दिवसीय कार्तिक उत्सव का शुक्रवार को वृंदावन चंद्रोदय मंदिर में भव्य शुभारंभ हुआ। उत्सव के प्रथम दिवस पर आयोजित भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक अगम अग्रवाल एवं मंदिर के भक्तों की सुमधुर प्रस्तुतियों ने संपूर्ण मंदिर परिसर को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं भक्तों ने हरिनाम संकीर्तन में सहभागिता कर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति का आनंद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में चंद्रोदय मंदिर के भक्तों ने भगवान श्रीश्रीराधा-वृंदावन चंद्र के श्रीचरणों में अपने लोकप्रिय भजनों एवं संगीतमय प्रस्तुतियों की भावपूर्ण सेवा अर्पित की। 'वृंदावन प्यारो वृंदावन' सहित लोकप्रिय कृष्ण भजनों ने श्रद्धालुओं को वृंदावन की दिव्य भक्ति एवं प्रेममयी संस्कृति से भावविभोर कर दिया। मधुर संगीत, हरिनाम संकीर्तन एवं भक्तिमय वातावरण ने मंदिर परिसर को आध्यात्मिक उल्लास से भर दिया।

कार्तिक मास में भगवान श्रीराधा-दामोदर की आराधना एवं दीपदान का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। इसी परंपरा के अंतर्गत भजन संध्या के पश्चात मंदिर परिसर में दीपदान का आयोजन किया गया। इस दौरान भक्तों ने सामूहिक रूप से श्री दामोदराष्टकम का भावपूर्ण गान करते हुए अपने आराध्य श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र के श्रीचरणों में दीप अर्पित किए तथा उनका मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया। दीपों की दिव्य आभा एवं दामोदराष्टकम के भक्तिमय स्वरों से संपूर्ण मंदिर परिसर आध्यात्मिक प्रकाश एवं भक्तिभाव से आलोकित हो उठा। वृंदावन चंद्रोदय मंदिर द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय कार्तिक उत्सव श्रद्धालुओं को भक्ति, आध्यात्मिक साधना एवं श्रीराधा-वृंदावन चंद्र की दिव्य लीलाओं से जुड़ने का विशेष अवसर प्रदान कर रहा है। उत्सव के आगामी दो दिनों में भी विविध भक्तिमय एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र का भव्य नौका विहार एवं शोभायात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

डीएम ने फीता काटकर किया भारत भारी मेले का शुभारंभ

शिव मंदिर में पूजन कर लिया व्यवस्थाओं का जायजा, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा पर जोर





वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

भारतभारी/सिद्धार्थनगर। ऐतिहासिक एवं पौराणिक भारत भारी मेले का शुक्रवार को जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने शिव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना भी की। इस दौरान डीएम ने कहा कि भारत भारी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि मेले को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन, पुलिस और नगर पंचायत की ओर से सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, यातायात और निर्बाध बिजली आपूर्ति के इंतजाम किए गए हैं। डीएम ने लोगों से जनगणना-2027 के तहत 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना में भाग लेने की अपील की। बताया कि एक दिसंबर से चार जनवरी तक प्रगणक घर-घर जाकर गणना करेंगे। उन्होंने विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं से फार्म-छह भरकर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की अपील की। इससे पहले एसडीएम डुमरियागंज विवेकानंद मिश्र ने डीएम का स्वागत किया। नगर पंचायत भारत भारी के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश वर्मा और बढ़नी चाफा के अध्यक्ष धर्मराज वर्मा ने भी अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान पर्यटन विकास समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश कुमार पांडेय, तहसीलदार अभिषेक कुमार, ईओ राजन गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सीएचसी बढ़नी के शिलान्यास एवं भूमिपूजन होगा आज



वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा शोहरतगढ़ अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बढ़नी के शिलान्यास एवं भूमिपूजन कार्यक्रम आज (21-11-2026 दिन शनिवार) किया जायेगा, जिसके मुख्य अतिथि शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा होंगें। बता दें कि यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद एवं उप मुख्यमंत्री/स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के मार्गदर्शन से एवं विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा के प्रयास से जनपद सिद्धार्थनगर अन्तर्गत शोहरतगढ़ के बढ़नी में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को 19 करोड़ 66 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) के रूप में उच्चीकृत किये जाने के निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। वहीं इस महत्वपूर्ण विकास कार्य का शिलान्यास एवं भूमिपूजन विधायक विनय वर्मा द्वारा किया जायेगा। विधायक विनय वर्मा ने सीएचसी के रूप में उच्चीकृत किये जाने के निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में कस्बावासियों सहित क्षेत्रवासियों से सुबह 10 बजे पहुंचने की अपील किया है।

डीएम ने धान क्रय केंद्र का किया निरीक्षण, लापरवाही पर कार्रवाई की गई चेतावनी

किसानों को समय से भुगतान करने और लक्ष्य के अनुरूप खरीद के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी



जोगिया/सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने शुक्रवार को राजकीय धान क्रय केंद्र जोगिया द्वितीय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान खरीद की प्रगति की जानकारी ली और केंद्र प्रभारी को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रतिदिन खरीद सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिला खाद्य विपणन अधिकारी रमेश कुमार श्रीवास्तव ने डीएम को बताया कि केंद्र पर धान की खरीद की जा रही है। इस पर डीएम ने जिले के सभी क्रय केंद्रों पर नियमित रूप से खरीद कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीद में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लक्ष्य के सापेक्ष खरीद नहीं होने पर संबंधित केंद्र प्रभारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने किसानों को समय से भुगतान करने और क्रय केंद्रों पर उनकी सुविधाओं का ध्यान रखने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों को अनावश्यक परेशानी हुई या केंद्र प्रभारियों के खिलाफ शिकायत मिली तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान जिला खाद्य विपणन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

युवक का पेड़ से लटकता मिला शव, गांव में मची सनसनी

वेलकम इंडिया/संजीव कुमार गुप्ता

कठेला समय माता/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र कठेला समय माता के तौलिहवा गांव के कचरहिवा टोला निवासी एक युवक का शव गुरुवार की सुबह गांव से करीब एक किमी दूर पेड़ से रस्सी के सहारे लटकता मिला। युवक का शव मिलने की जानकारी होते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्र के कचरहिवा टोला निवासी 30 वर्षीय रामसजीवन पुत्र रामदेव बुधवार रात करीब 11 बजे घर से निकला था। इसके बाद से वह वापस घर नहीं लौटा। ग्रामीणों ने गांव से करीब एक किमी दूर एक पेड़ से उसका शव रस्सी के सहारे लटकता देखा। शव की पहचान रामसजीवन के रूप में होने पर इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही कठेला समय माता थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एसपी ने सोहांस पुलिस चौकी का किया उद्घाटन

चौकी खुलने से क्षेत्र में बढ़ेगी पुलिस की सक्रियता, अपराधों पर लगेगा अंकुश





वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। उसका बाजार थाना क्षेत्र के सोहांस में शुक्रवार को नवीन पुलिस चौकी का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने किया। विधिवत उद्घाटन के बाद एसपी ने कहा कि पुलिस चौकी स्थापित होने से क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी बढ़ेगी। इससे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ लोगों को त्वरित पुलिस सहायता मिल सकेगी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से पुलिस का सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या घटना की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। कहा कि पुलिस आमजन की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर, उसका बाजार थानाध्यक्ष, सोहांस चौकी प्रभारी, जनप्रतिनिधि और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। सोहांस पुलिस चौकी की स्थापना को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब क्षेत्र के लोगों को छोटी-बड़ी समस्याओं और शिकायतों के लिए दूर स्थित थाने तक जाने की परेशानी से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। चौकी पर पुलिसकर्मियों की नियमित तैनाती से क्षेत्र में गश्त और निगरानी व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। खासतौर पर बाजारों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील इलाकों में पुलिस की सक्रियता बढ़ने से असामाजिक तत्वों पर नजर रखना आसान होगा। महिलाओं, बुजुर्गों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर भी पुलिस की जवाबदेही बढ़ेगी।

महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी ने सुनीं महिलाओं की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निस्तारण के निर्देश

जिला कारागार, मेडिकल कॉलेज और वन स्टॉप सेंटर का किया औचक निरीक्षण, कन्या जन्मोत्सव में बांटी बेबी किट





वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी ने शुक्रवार को पीलीभीत पहुंचकर महिलाओं से जुड़ी समस्याओं की सुनवाई की। गोमती सभागार में आयोजित महिला जनसुनवाई के दौरान मारपीट, घरेलू विवाद और जमीन संबंधी मामलों की शिकायतें सामने आईं। सदस्य ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मौके पर जाकर जांच करने और निष्पक्ष तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के बाद सुनीता सैनी ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने महिला बंदियों से सीधे बातचीत कर उनके रहने, खाने-पीने और अन्य जरूरी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने यह भी जाना कि महिला बंदियों को कारागार में किसी तरह की परेशानी तो नहीं हो रही है।इसके बाद विकासखंड मरौरी के प्राथमिक विद्यालय मैदना में कन्या जन्मोत्सव एवं गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ दिलाकर की गई। इस दौरान पांच नवजात बालिकाओं को बेबी किट और पांच गर्भवती महिलाओं को पोषण किट वितरित की गईं। सदस्य ने कहा कि बेटियों को भेदभाव रहित माहौल और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलने चाहिए। बेटियां किसी भी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के दम पर पहचान बना सकती हैं। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को अपने स्वास्थ्य और पोषण का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया।महिला आयोग की सदस्य ने इसके बाद मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। यहां भर्ती प्रसूताओं से बातचीत कर उन्हें दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। साथ ही अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।अंतिम चरण में उन्होंने वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। यहां पांच संवासिनियां अल्पावासित मिलीं। सदस्य ने उनसे बातचीत कर रहने, भोजन और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। पूरे दौरे के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में जनपद स्तरीय विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बीसलपुर विधानसभा में रत्नेश गंगवार ने तेज किया जनसंपर्क अभियान, ग्रामीणों से मांगा समर्थन

मीनू बरकाती/वेलकम इंडिया



पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के नेता डॉ. रत्नेश गंगवार ने 130-बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में उन्होंने बिलसंडा ब्लॉक के विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं व क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर बातचीत की। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने करेली, सिंधौरा खरगपुर, गौहरपुर, पतिजिया और चपरौआ कुइयां गांवों में पहुंचकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया।गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान डॉ. रत्नेश गंगवार ने लोगों से क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और किसानों से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों की बातों को गंभीरता से सुना और उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को जानना और उनके समाधान के लिए आवाज उठाना ही जनसंपर्क का मुख्य उद्देश्य है।जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों ने भी उत्साह दिखाया। विभिन्न गांवों में लोगों ने आगामी विधानसभा चुनाव में भरपूर सहयोग और समर्थन देने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों के इस सकारात्मक रुख से डॉ. रत्नेश गंगवार का उत्साह बढ़ा। उन्होंने लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का विश्वास और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में भागीदारी निभाना और गांवों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना उनकी प्राथमिकता है। जनसंपर्क के माध्यम से वह लगातार गांव-गांव पहुंचकर लोगों से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रहे इस जनसंपर्क अभियान को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

छह दिसंबर की श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में शामिल होगा मुस्लिम समाज : अब्दुल जब्बार



वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बांसी/सिद्धार्थनगर। बहुजन समाज पार्टी मुस्लिम भाईचारा की जिला स्तरीय बैठक शुक्रवार को बांसी मे हुई। इसमें छह दिसंबर को लखनऊ में आयोजित होने वाली डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा को सफल बनाने पर चर्चा की गई। बैठक के मुख्य अतिथि मुस्लिम भाईचारा के मंडल संयोजक अब्दुल जब्बार ने कहा कि छह दिसंबर को लखनऊ में होने वाली श्रद्धांजलि सभा में बसपा इतिहास बनाएगी। सभा को पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती संबोधित करेंगी। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर से हजारों लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिसमें मुस्लिम समाज की भी बड़ी भागीदारी रहेगी। राजेंद्र आजाद ने कहा कि बसपा लखनऊ में बड़ी रैली आयोजित करने जा रही है। जिला संयोजक शमीम अहमद ने कार्यकर्ताओं से पूरी ताकत के साथ जुटकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव कभी भी हो सकते हैं, इसलिए कार्यकर्ता संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय रहें। बैठक में जिला सह संयोजक रामपाल गौतम, बांसी विधानसभा संयोजक इसरार अहमद, विनोद कुमार राव, खुर्शीद अहमद, मेहीलाल गौतम, इनायतुल्लाह सोलंकी, अकबर अली और सोनो गौतम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मारहरा शरीफ में 101वें उर्से कासमी का आगाज, जायरीनों से गुलजार हुई खानकाह

देशभर से पहुंचे अकीदतमंद, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पीलीभीत। मारहरा कस्बे स्थित विश्वविख्यात दरगाह शरीफ खानकाहे बरकातिया में शुक्रवार से तीन दिवसीय 101वें उर्से कासमी का विधिवत शुभारंभ हो गया। ऐतिहासिक धार्मिक महत्व रखने वाले इस उर्स को लेकर देश-विदेश के अकीदतमंदों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। उर्स शुरू होते ही जायरीनों की भारी भीड़ उमड़ने लगी। दूर-दराज के क्षेत्रों से लोग अपनी मन्नतें और दुआएं लेकर दरगाह शरीफ पहुंच रहे हैं। दरगाह परिसर और खानकाह को आकर्षक रोशनी तथा भव्य सजावट से सजाया गया है, जिससे पूरा परिसर रूहानी माहौल में नजर आ रहा है। उर्स में शामिल होने के लिए गुरूवार से ही जायरीनों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। अकीदतमंद दरगाह पर हाजिरी देकर



दुआएं मांग रहे हैं। लोगों में इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह है। तीन दिवसीय उर्स में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं।भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए खानकाह परिसर से लेकर मुख्य उर्स मार्ग तक पुलिस बल तैनात किया गया है। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर नो-एंट्री जोन बनाए गए हैं। दरगाह परिसर, उर्स मार्ग और आसपास के इलाकों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। इसके अलावा मेले क्षेत्र में अस्थायी पुलिस चौकी स्थापित की गई है, जहां पुलिसकर्मी 24 घंटे मुस्तैद रहकर सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पीएसी के जवानों की भी तैनाती की गई है।सीओ सदर ने बताया कि उर्स को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। जायरीनों की सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। वहीं पीलीभीत जनपद के पूरनपुर क्षेत्र से भी 21 नवंबर को हजारों की संख्या में जायरीन मारहरा पहुंचे। पूरनपुर सहित लोधीपुर, शेरपुर और बीसलपुर के लोगों को उर्स में आने वाले मेहमानों के लिए लंगर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन क्षेत्रों के लोग लंगर की व्यवस्था संभालते हुए जायरीनों को भोजन कराएंगे। बड़ी संख्या में लोगों के इस सेवा कार्य से जुड़ने के चलते उर्स में आने वाले मेहमानों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है।उर्से कासमी के आगाज के साथ ही मारहरा कस्बा अकीदत, मोहब्बत और रूहानियत के रंग में रंग गया है। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में जायरीनों की आमद लगातार बढ़ने की उम्मीद है। दरगाह पर हाजिरी, दुआ और लंगर की सेवा के बीच यह ऐतिहासिक आयोजन आपसी भाईचारे और धार्मिक आस्था का भी संदेश दे रहा है।

चित्तईपुर में चेतमणि जेम्स एंड ज्वेल्स के चौथे शोरूम का शुभारंभ

1992 में लहुराबीर से शुरू हुआ सफर पहुंचा चित्तईपुर तक, सोने-हीरे के आकर्षक आभूषणों के साथ रावी आभूषण संग्रह भी शुरू

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह







वाराणसी। ग्राहकों का विश्वास, गुणवत्ता और बदलते दौर के साथ आभूषणों के आकर्षक डिजाइन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता ने चेतमणि जेम्स एंड ज्वेल्स को बनारस के प्रतिष्ठित आभूषण प्रतिष्ठानों में विशेष पहचान दिलाई है। इसी पहचान और ग्राहकों की लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए प्रतिष्ठान ने 20 नवंबर 2026 को चित्तईपुर में अपने चौथे भव्य शोरूम का शुभारंभ किया। चित्तईपुर स्थित बीएलडब्ल्यू रोड पर एपेक्स हॉस्पिटल के सामने खुले इस नए आभूषण शोरूम का उद्घाटन परिवार के सदस्यों गुंजन अग्रवाल, नम्रता अग्रवाल, संजू अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, राखी अग्रवाल, शिवांग अग्रवाल, अनन्या अग्रवाल, शरत अग्रवाल, दित्या अग्रवाल, मणिका अग्रवाल एवं यशिता अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। वर्ष 1992 में लहुराबीर से शुरू हुआ चेतमणि जेम्स एंड ज्वेल्स का सफर आज बनारस के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों तक पहुंच चुका है। गुणवत्ता, विश्वसनीयता और आभूषणों की आकर्षक विविधता के दम पर प्रतिष्ठान ने तीन दशकों से अधिक समय में ग्राहकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाई है। लहुराबीर से शुरूआत करने के बाद रथयात्रा और रविंद्रपुरी में शोरूम स्थापित किए गए और अब चित्तईपुर में चौथे शोरूम की शुरूआत के साथ प्रतिष्ठान ने विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। प्रतिष्ठान के निदेशक गुंजन अग्रवाल ने बताया कि चित्तईपुर और आसपास के क्षेत्रों के ग्राहक लंबे समय से यहां चेतमणि जेम्स एंड ज्वेल्स का शोरूम खोलने की मांग कर रहे थे। ग्राहकों के इसी स्नेह, विश्वास और सुझाव को ध्यान में रखते हुए नए शोरूम की शुरूआत की गई है। हमारा प्रयास है कि ग्राहकों को बेहतरीन गुणवत्ता, नवीनतम डिजाइन और उत्कृष्ट सेवाएं उनके नजदीक ही उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि ग्राहकों का विश्वास ही प्रतिष्ठान की सबसे बड़ी ताकत है और उसी विश्वास को बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। नए शोरूम में ग्राहकों के लिए सोने, हीरे, गुलाबी सोने, चांदी, प्राचीन शैली के सोने और चांदी के आभूषणों के आकर्षक एवं विस्तृत संग्रह उपलब्ध कराए गए हैं। यहां पारंपरिक भारतीय आभूषणों के साथ आधुनिक और समकालीन डिजाइन की भी शानदार श्रृंखला देखने को मिलेगी। शादी-विवाह, त्योहारों, पारिवारिक समारोहों और अन्य विशेष अवसरों के लिए अलग-अलग पसंद एवं जरूरतों के अनुरूप आभूषणों की विविधता को शोरूम की खासियत बनाया गया है।

पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक फैशन का मेल ग्राहकों को एक ही छत के नीचे विभिन्न विकल्प उपलब्ध कराएगा। शोरूम के शुभारंभ अवसर पर प्रतिष्ठान की ओर से विशेष आभूषण संग्रह 'रावी' का भी शुभारंभ किया गया। यह संग्रह अपनी विशिष्ट बनावट और खूबसूरत कारीगरी के कारण समारोह का विशेष आकर्षण रहा। इसमें सोने की खूबसूरती, मीनाकारी की बारीक कारीगरी और मोतियों की आकर्षक सजावट को विशेष रूप से शामिल किया गया है।

डीजे के तेज शोर से राज्यमंत्री रवीन्द्र जायसवाल की सुनने की क्षमता 30 प्रतिशत प्रभावित

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। उत्सव और समारोह के नाम पर तेज आवाज में बजने वाले डीजे अब लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। ध्वनि प्रदूषण का ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल की एक कान की श्रवण क्षमता लगभग 30 प्रतिशत स्थायी रूप से प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है। बताया गया कि अगस्त 2024 में तिरंगा यात्रा के दौरान डीजे की तेज आवाज के कारण उनके कान का पर्दा क्षतिग्रस्त हो गया था। कई बड़े अस्पतालों में उपचार और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श के बावजूद सुनने की क्षमता में आई कमी पूरी तरह ठीक नहीं हो सकी। इस घटना के बाद राज्यमंत्री ने लोगों से तेज आवाज वाले डीजे से बचने और डीजे संचालकों से ध्वनि का स्तर नियंत्रित रखने की अपील की है। ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ अभियान चला रही राष्ट्रीय सामाजिक संस्था सत्या फाउंडेशन की ओर से शुक्रवार को वाराणसी के कैंटोनमेंट क्षेत्र स्थित एक होटल में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इसमें ध्वनि प्रदूषण के बढ़ते खतरे और उसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर गंभीर चिंता जताई गई। संस्था के पदाधिकारियों के साथ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अनुराग टंडन, वरिष्ठ मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. वेणुगोपाल झंवर और बनारस बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता विनोद कुमार शुक्ला ने सड़कों और खुले स्थानों पर डीजे के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग उठाई।

राज्यमंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने अपने संदेश में बताया कि डीजे की तेज आवाज के कारण उनके एक कान की श्रवण क्षमता लगभग 30 प्रतिशत प्रभावित हुई है। अगस्त 2024 में तिरंगा यात्रा के दौरान हुई इस घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए कई बड़े अस्पतालों में जाना पड़ा, लेकिन सुनने की क्षमता में आई कमी दूर नहीं हो सकी। उन्होंने आमजन से अपील की कि मनोरंजन और उत्सव के नाम पर अपने स्वास्थ्य को खतरे में न डालें। डीजे संचालकों को भी ध्वनि का स्तर कम रखने की जरूरत है, ताकि किसी अन्य व्यक्ति को ऐसी शारीरिक परेशानी का सामना न करना पड़े। सत्या फाउंडेशन के संस्थापक सचिव चेतन उपाध्याय ने कहा कि धार्मिक परंपराओं, सामाजिक आयोजनों और उत्सवों के नाम पर ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। लाउडस्पीकर और डीजे की आवाज नियंत्रित करने के लिए कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि तेज ध्वनि का लगातार संपर्क मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर नुकसानदेह हो सकता है। उनके अनुसार, 75 डेसीबल से अधिक ध्वनि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और सामान्य डीजे प्रणालियों को इतनी कम आवाज में संचालित करना व्यावहारिक रूप से कठिन होता है। चेतन उपाध्याय ने मांग की कि सड़कों और खुले सार्वजनिक स्थानों पर डीजे के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाए तथा ऐसे आयोजनों के लिए केवल ध्वनिरोधी सभागारों में अनुमति दी जाए। उनका कहना था कि किसी दुर्घटना या व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचने के बाद कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन को पहले से ही प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के वर्ष 2019 के आदेश का उल्लेख करते हुए शादी-विवाह की बारातों में ध्वनि और मार्ग संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की। चेतन उपाध्याय ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 और ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े नियमों का हवाला देते हुए कहा कि अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, न्यायालयों और निर्धारित शांत क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण फैलाने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। इसके बावजूद सार्वजनिक स्थानों पर तेज आवाज में डीजे बजाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से मौजूदा नियमों को सख्ती से लागू कराने और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि खुले स्थानों पर डीजे के स्थान पर शहनाई, ढोल, मृदंगम, पखावज, बांसुरी, सारंगी और शंख जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे भारतीय संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा मिलने के साथ ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी मदद मिल सकती है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अनुराग टंडन ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण का असर केवल कानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। तेज शोर के लगातार संपर्क में रहने से सुनने की क्षमता कम होने, उच्च रक्तचाप, तनाव, हृदय संबंधी समस्याओं, एकाग्रता में कमी और स्मरण शक्ति प्रभावित होने जैसी परेशानियां हो सकती हैं। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रम दिन के समय तथा नियंत्रित ध्वनि स्तर में आयोजित किए जाएं।

नवनियुक्त शिक्षक एमएलसी श्रीचंद शर्मा का हुआ स्वागत



वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। विजडम वर्ल्ड स्कूल में नवनिर्वाचित मेरठ-सहारनपुर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी श्रीचंद शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों का आभार जताते हुए उनके हितों के लिए सदैव प्रयासरत रहने का भरोसा दिलाया। प्रबंधक संजय जैन, निदेशक सुशील जैन और प्रधानाचार्य राजकुमार तेवतिया ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर रमेश चंद्र पाण्डेय, रविशंकर तिवारी, कुश शर्मा, जबर सिंह आदि मौजूद रहे।

खेलते-खेलते सात वर्षीय मासूम के गले में लगा फंदा, दर्दनाक मौत से परिवार में मचा कोहराम

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहार (बुलंदशहर)। खेल-खेल में हुई एक दर्दनाक घटना ने हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। घर के पास पशुओं के घेर में रस्सी से खेल रहे करीब सात वर्षीय मासूम की गले में फंदा लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बालक ने पेड़ की शाखा पर रस्सी बांधकर उसके दूसरे सिरे से फंदा बनाया था। इसी दौरान अचानक रस्सी उसके गले में फंस गई और वह नीचे लटक गया। जब तक परिजन मौके पर पहुंचे, तब तक मासूम की जान जा चुकी थी। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अहार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी परिवार के सदस्य शुक्रवार को अपने-अपने जरूरी कामों में व्यस्त थे। परिवार के लोग खेतों में काम करने गए हुए थे, जबकि करीब सात वर्षीय बालक घर के पास स्थित पशुओं के घेर में था। बताया जाता है कि शुक्रवार शाम करीब पांच बजे बालक घेर में खड़े एक पेड़ की शाखा के पास पहुंचा। वहां उसने एक रस्सी को पेड़ की शाखा से बांध लिया और उसके दूसरे सिरे से फंदे जैसा आकार बनाकर खेलने लगा। खेलते समय अचानक रस्सी उसके गले में फंस गई। संतुलन बिगड़ने और फंदे में उलझने के कारण बालक नीचे लटक गया। घटना इतनी अचानक हुई कि आसपास मौजूद किसी व्यक्ति को इसकी जानकारी तक नहीं हो सकी। मासूम काफी देर तक वहीं लटका रहा और परिवार के लोगों को इस अनहोनी का अंदाजा भी नहीं था। उधर, खेतों में काम निपटाने के बाद शुक्रवार शाम परिजन पशुओं को चारा डालने और उनका दूध निकालने के लिए घेर में पहुंचे। वहां पहुंचते ही उनकी नजर पेड़ की शाखा से लटके बालक पर पड़ी तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर दौड़ पड़े। आनन-फानन में बालक को नीचे उतारा गया और उसकी नब्ज तथा धड़कन जांचने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मासूम की मौत की पुष्टि होते ही परिवार में कोहराम मच गया। माता-पिता और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जिस बच्चे की हंसी से घर का आंगन गूंजता था, उसकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के लोग भी बड़ी संख्या में पीड़ित परिवार के घर पहुंचने लगे। हर कोई इस दर्दनाक हादसे से स्तब्ध नजर आया। बताया गया कि घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही बालक का अंतिम संस्कार कर दिया।

कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले को लेकर पुलिस अलर्ट, सीओ डिबाई ने घाटों का किया निरीक्षण

गहरे पानी में जाने से रोकने, गोताखोरों की तैनाती और भीड़ नियंत्रण पर विशेष जोर, सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के दिए निर्देश





वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई/बुलंदशहर/ कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला-2026 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए बुलंदशहर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था तेज कर दी है। शुक्रवार शाम क्षेत्राधिकारी डिबाई मधूप कुमार सिंह ने थाना डिबाई एवं नरौरा क्षेत्र के अंतर्गत गंगा घाटों और मेला परिसरों का भ्रमण कर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीओ ने श्रद्धालुओं के स्नान के लिए निर्धारित गंगा घाटों, मेला परिसर, आवागमन के रास्तों, बैरिकेडिंग, पार्किंग स्थलों, यातायात व्यवस्था तथा पुलिस बल की तैनाती का निरीक्षण किया। उन्होंने गंगा घाटों पर विशेष सतर्कता बरतने और श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकने के निर्देश दिए। साथ ही गोताखोरों एवं जल पुलिस की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम दुरुस्त रखने पर जोर दिया। उन्होंने मेला परिसर में भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था सुचारु रखने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं पर नजर रखने और लगातार पैदल गश्त करने के निर्देश दिए। महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्ग श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने को भी कहा। सीओ ने संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि मेले के दौरान पूरी सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करें, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बुलंदशहर पुलिस ने कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए पूर्ण सतर्कता और प्रतिबद्धता जताई है।

बेरोजगार युवाओं के लिए उम्मीद की किरण बने प्रवीण दुबे हिंदू, मात्र 1500 रुपये सेवा शुल्क पर दिला रहे नौकरी के अवसर

दस वर्षों से मैनपावर सप्लाई के क्षेत्र में सक्रिय, हजारों युवाओं को रोजगार से जोड़ने में कर चुके हैं सहयोग; आर्थिक तंगी के कारण किसी युवा का सपना अधूरा न रहे, यही है संकल्प

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। बेरोजगारी आज देश के युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी बड़ी संख्या में युवा नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं। कई बार रोजगार पाने के लिए उन्हें लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, तो कहीं नौकरी दिलाने के नाम पर उनसे भारी-भरकम रकम की मांग की जाती है। ऐसे में वाराणसी के पांडेयपुर निवासी प्रवीण दुबे हिंदू ने जरूरतमंद युवाओं को कम खर्च में निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की पहल की है। उनका प्रयास है कि आर्थिक तंगी किसी भी युवा के सपनों के रास्ते में बाधा न बने और हर जरूरतमंद को अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार पाने का अवसर मिल सके। मैनपावर सप्लाई के क्षेत्र में पिछले दस वर्षों से सक्रिय प्रवीण दुबे का कहना है कि रोजगार केवल किसी व्यक्ति की आय का साधन नहीं, बल्कि उसके आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और परिवार की खुशहाली से जुड़ा हुआ है। इसी सोच के साथ उन्होंने युवाओं को निजी कंपनियों, विभिन्न विभागों और संस्थानों में उनकी योग्यता के अनुरूप नौकरी के अवसर उपलब्ध कराने का काम शुरू किया। उनके अनुसार, पिछले दस वर्षों में वह हजारों युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने में सहयोग कर चुके हैं।

प्रवीण दुबे की इस पहल की खास बात यह है कि वह नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं से मात्र 1500 रुपये निर्धारित सेवा शुल्क लेते हैं। उनका कहना है कि बेरोजगार युवा पहले से ही आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे होते हैं। ऐसे में रोजगार दिलाने के नाम पर उनसे बड़ी रकम वसूलना उचित नहीं है। इसी विचार को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सेवा शुल्क को न्यूनतम रखने का प्रयास किया है। उनके मुताबिक, यह राशि नौकरी खरीदने या नौकरी की गारंटी के रूप में नहीं, बल्कि रोजगार तलाशने की प्रक्रिया में होने वाले आवश्यक खर्चों के लिए ली जाती है। इसमें विभिन्न कंपनियों और कार्यालयों से संपर्क करना, रिक्त पदों की जानकारी जुटाना, युवाओं की योग्यता के अनुसार अवसर तलाशना, कार्यालय का किराया, बिजली, आने-जाने का पेट्रोल और अन्य जरूरी संसाधनों पर होने वाला खर्च शामिल है। उनका कहना है कि किसी बेरोजगार युवा के लिए उपयुक्त नौकरी तलाशना भी एक जिम्मेदारी भरा कार्य है। इसके लिए लगातार कंपनियों और संस्थानों से संपर्क बनाए रखना पड़ता है। कई बार एक ही दिन में अलग-अलग स्थानों पर जाकर रोजगार से संबंधित जानकारी जुटानी पड़ती है। प्रवीण दुबे के अनुसार, प्रत्येक युवा की शैक्षिक योग्यता, अनुभव और कार्यक्षमता अलग-अलग होती है। इसलिए सभी के लिए एक जैसी नौकरी तलाशना उचित नहीं है। उनकी कोशिश रहती है कि नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं की योग्यता और क्षमता को ध्यान में रखते हुए उन्हें उपयुक्त संस्थानों तक पहुंचाया जाए। इसके लिए विभिन्न कंपनियों में उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी जुटाई जाती है और जरूरत के अनुसार युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाता है। उनका मानना है कि किसी युवा को उसकी योग्यता के अनुसार काम मिल जाए तो इससे केवल एक व्यक्ति ही आत्मनिर्भर नहीं बनता, बल्कि उसका पूरा परिवार आर्थिक रूप से मजबूत होता है। परिवार की जिम्मेदारियां निभाने में उसे मदद मिलती है और समाज में उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यही कारण है कि वह इस कार्य को केवल व्यावसायिक गतिविधि नहीं, बल्कि जरूरतमंद युवाओं को आगे बढ़ने में सहयोग करने का माध्यम मानते हैं। प्रवीण दुबे बताते हैं कि उनके पास ऐसे अनेक युवा आते हैं, जो पढ़े-लिखे होने के बावजूद आर्थिक परिस्थितियों के कारण नौकरी पाने के लिए संघर्ष कर रहे होते हैं। कई युवाओं के परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं होती कि वे रोजगार की तलाश में बड़ी रकम खर्च कर सकें। ऐसे युवाओं की परेशानी को देखते हुए उन्होंने कम सेवा शुल्क पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाई। उनका प्रयास है कि पैसों की कमी के कारण कोई भी जरूरतमंद युवा रोजगार पाने की कोशिश छोड़ने को मजबूर न हो। पांडेयपुर स्थित कार्यालय के माध्यम से संचालित इस पहल का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। उनका कहना है कि युवाओं को सही दिशा और उचित अवसर मिल जाएं तो वे अपनी मेहनत और योग्यता के दम पर बेहतर भविष्य बना सकते हैं। जरूरत केवल इस बात की है कि नौकरी तलाशने के दौरान उन्हें सही मार्गदर्शन और सहयोग मिले। प्रवीण दुबे हिंदू का कहना है कि किसी युवा को रोजगार मिलने के बाद उसके चेहरे पर दिखाई देने वाली खुशी और उसके परिवार को मिलने वाली राहत ही उनके लिए सबसे बड़ा संतोष है। वह चाहते हैं कि बेरोजगारी के कारण निराश हो चुके युवा दोबारा आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य की दिशा में आगे बढ़ें। उनके अनुसार, रोजगार मिलने से युवा न केवल अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है, बल्कि माता-पिता और परिवार की जिम्मेदारियों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उनका संदेश है कि रोजगार केवल कमाई का जरिया नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और परिवार की खुशहाली का आधार है। समाज में ऐसे प्रयासों की आवश्यकता है, जिनसे जरूरतमंद युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिले। प्रवीण दुबे का संकल्प है कि आर्थिक तंगी किसी भी युवा के रोजगार पाने के सपने को अधूरा न रहने दे और अधिक से अधिक युवा अपने पैरों पर खड़े होकर सम्मानजनक जीवन जी सकें।

रोटरी क्लब मोदीनगर ने सेवा कार्यों के साथ मनाया अध्यक्ष मुकेश गोयल का जन्मदिन

सरस्वती शिशु मंदिर फरीदनगर में बच्चों के बीच किया गया भव्य सेवा कार्यक्रम

- 10 सीलिंग फैन, 11 हजार रुपये की सहयोग राशि एवं स्टेशनरी-सॉक्स किए वितरित

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। रोटरी क्लब मोदीनगर के अध्यक्ष रोटेरियन मुकेश गोयल ने अपना जन्मदिन सरस्वती शिशु मंदिर, फरीदनगर में नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ सेवा एवं समर्पण के भाव से मनाया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक सेवा कार्यों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोटेरियन अमित गुप्ता , डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, के शुभ हाथों से बच्चों को स्टेशनरी किट एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें तीन श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय में रोटरी व्हील की स्थापना की गई तथा विद्यार्थियों को सॉक्स एवं स्टेशनरी वितरित की गई। विद्यालय की सुविधा के लिए 10 सीलिंग फैन दान किए गए और विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं आवश्यकताओं के सहयोग हेतु मुकेश गोयलजी दारा 11,000 की सहयोग राशि भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि हरिकिशन अग्रवाल एवं सुरेश गुप्ता ने भी बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर अध्यक्ष मुकेश गोयल ने कहा कि जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों को समाज सेवा एवं जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाकर मनाना वास्तव में सबसे बड़ी खुशी है। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं उपस्थित सभी रोटेरियन साथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया और विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में श्रीमती राखी गोयल के साथ रोटेरियन आभाष कंसल, शलभ सिंघल, धर्मेश शर्मा , अनिल सामंत, सचिन गुप्ता , अक्षय अग्रवाल, राजीव भटनागर, अभिषेक, एन.के. सक्सेना, रणपाल सहित अनेक रोटेरियन उपस्थित रहे। रोटरी क्लब मोदीनगर का उद्देश्य है कि खुशियों के हर अवसर को समाज सेवा से जोड़कर जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जाए।

टिक्की वाले बाबा मंदिर में स्थायी बिजली की मांग को लेकर यति रणसिंहानंद गिरी का आमरण अनशन शुरू

डीएम कार्यालय पर अनिश्चितकालीन अनशन, बोले- स्थायी बिजली व्यवस्था होने तक नहीं उठूंगा





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मोदीनगर के तलहेटा स्थित सिद्धपीठ टिक्की वाले बाबा मंदिर में स्थायी रात्रिकालीन बिजली व्यवस्था की मांग को लेकर श्रीमहंत यति रणसिंहानंद गिरी जी महाराज ने 20 नवंबर को जिलाधिकारी कार्यालय पर आमरण अनशन शुरू कर दिया। उन्होंने प्रशासन से मंदिर में रात के समय स्थायी बिजली व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है। यति रणसिंहानंद गिरी महाराज ने कहा कि मंदिर में रात्रिकालीन बिजली की स्थायी व्यवस्था न होने से श्रद्धालुओं और मंदिर से जुड़े लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की कि विद्युत विभाग को लिखित आदेश जारी कर समयबद्ध तरीके से स्थायी बिजली व्यवस्था कराई जाए। जब तक स्थायी व्यवस्था नहीं होती, तब तक रात में वैकल्पिक रूप से बिजली उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने बताया कि इस मांग को लेकर उनके साथ गुरुदेव महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज, श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा, गुरु भाई यति धमार्नंद गिरी महाराज, यति परमात्मानंद गिरी महाराज और शिष्य यति योगानन्द गिरी महाराज सहित संत समाज मजबूती से खड़ा है। यति रणसिंहानंद गिरी महाराज ने स्पष्ट कहा कि जब तक मंदिर में स्थायी बिजली व्यवस्था नहीं होगी, तब तक उनका आमरण अनशन जिलाधिकारी कार्यालय पर जारी रहेगा। उन्होंने संकल्प दोहराते हुए कहा, 'प्राण जाए पर प्रण न जाए, बाबा का धाम अंधेरे में नहीं रहेगा। स्थायी बिजली व्यवस्था कराकर ही अनशन समाप्त करूंगा।'

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में तुलसी विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज ने लक्ष्मी नारायण मंदिर,परशुराम धाम, मुरादनगर में गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी तुलसी विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम देव उठानी एकादशी पर प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। राष्ट्रीय महामंत्री ने सहपत्नी तुलसी विवाह का आयोजन किया। जिसमें क्षेत्र की गणमान्य महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित हुए। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री ने तुलसी विवाह कार्यक्रम में सभी को आमंत्रित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव हुकमचंद शर्मा मनोज शर्मा, मुकेश शर्मा, आदि भारद्वाज,,योगेश शर्मा में महंत राम शंकर उपाध्याय, अनूप मेहरा एवं सैकड़ो महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया सभी ने शालिग्राम जी के साथ तुलसी जी के विवाह में उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में छठी अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

'ए. ई. सी. ई. - 2026' का उद्घाटन

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी गाजियाबाद में 'एडवांसमेंट इन इलेक्ट्रॉनिक्स & कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग' (ए. ई. सी. ई.) पर छठी अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स & कम्युनिकेशन एवं कंप्यूटर साइंस & इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. एस. एन. सिंह, (एडवाइजर, आई. ई. ई. ई. यू. पी. सेक्शन, डायरेक्टर, अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर) एवं विशिष्ट अतिथि प्रो आशीष कुमार सिंह (एम एन एन आई टी, अलाहाबाद) ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसके साथ ही कॉन्फ्रेंस सॉवेनियर तथा आई. ई. ई. ई. स्टूडेंट ब्रांच, आर. के. जी. आई. टी. के वार्षिक न्यूजलेटर 'आर्काइव्स' का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एस. एन. सिंह ने गुणवत्तापूर्ण शोध पर बल देते हुए विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को शोध कार्य में टीमवर्क, पारदर्शिता एवं समय प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने नवाचार के लिए आजीवन सीखते रहने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। संगोष्ठी के संयोजक डॉ आर के यादव एवं डॉ अमित सिंघल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं ए. ई. सी. ई. 2026 के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के आज के मुख्य वक्ता प्रो. लियोंग वाई यी (आई. एन. टी. आई. इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया) एवं डॉ. लैम सि काई (कॉलेज ऑफ कंप्यूटिंग एंड डेटा साइंस, नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के परफॉर्मेंस, एनर्जी एफिशिएंसी, रिलायबिलिटी और सिक्योरिटी को बेहतर बनाने पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में डॉ. गोविंद शरण यादव (नेशनल त्सिंग हुआ यूनिवर्सिटी, ताइवान) एवं डॉ. प्रियंका जैन (डीटीयू, दिल्ली) ने भी अपने विचार रखे। संगोष्ठी में चयनित शोध पत्रों को पढ़ा गया और उनका प्रकाशन संगोष्ठी के बाद आई. ई. ई. ई. एक्सप्लोर में किया जाएगा।

संस्थान के ग्रुप एडवाइजर डॉ लक्ष्मण प्रसाद, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ डी. के. चौहान एवं डायरेक्टर डॉ बी.सी. शर्मा ने शोधार्थियों को वर्तमान समय की इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर की नई तकनीकियों और भविष्य की चुनौतियों के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल ने सभी को कार्यक्रम सफल होने की बधाई दी। कार्यक्रम में डीन एक्रीडिटेशन डॉ रामेन्द्र सिंह, डीन ई आई आई डॉ पुनीत चंद्र श्रीवास्तव, डीन स्टूडेंट वेलफेयर एच जी गर्ग भी मौजूद रहे।

महिंद्रा की नई गाड़ियों में तकनीकी खराबी, ग्राहकों ने शोरूम घेरा





वेलकम इंडिया संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। महिंद्रा की नई गाड़ियां खरीदने वाले ग्राहकों को कुछ ही दिनों में तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ रहा है। इससे नाराज ग्राहकों ने ग्रेटर नोएडा स्थित महिंद्रा के शोरूम पर जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। ग्राहकों का आरोप है कि महज 200 से 1000 किलोमीटर चलने के बाद ही नई गाड़ियों में मैकेनिकल फॉल्ट आने लगे हैं। एक ग्राहक ने बताया कि हाईवे पर करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही उसकी स्कॉर्पियो का अचानक स्टीयरिंग लॉक हो गया, जिससे बड़ा हादसा होते-होते बचा। वहीं, अन्य ग्राहकों ने भी अपनी नई गाड़ियों में तकनीकी खराबी आने की शिकायत की। परेशान ग्राहकों के प्रदर्शन के दौरान शोरूम पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और नाराज ग्राहकों को समझाने का प्रयास किया। घटना बीटा-2 थाना क्षेत्र की है।

वेबिनार में मोदीनगर की प्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट डॉ प्राची सिंहल ने दिया अपना व्याख्यान

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। इंडियन रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन) एवं ग्लोबल साउथ एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित वेबिनार में मोदीनगर की प्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट डॉ प्राची सिंहल ने अपना व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम बुधवार 18 नवंबर को प्रसारित हुआ। उनका व्याख्यान गर्भस्थ शिशु के स्पाइन अर्थात रीढ़ की हड्डी के रोगों के संबंध में था। डॉ प्राची ने बताया कि पहले भी इस मंच पर उन्हें आमंत्रित किया जा चुका है। इस वेबिनार को दक्षिण एशिया के रेडियोलॉजिस्ट्स ने देखा व सराहा। डॉ प्राची गर्भ के दौरान किए जाने वाले अल्ट्रासाउंड में पारंगत हैं और पूरे देश में विभिन्न मंचों और सभाओं में उन्हें इसी अल्ट्रासाउंड पर भाषण और प्रशिक्षण देने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

बताते चलें कि अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश IRIA की वार्षिक संगोष्ठी जिसका आयोजन काशी में बी एच यू (बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी) में 31 अक्टूबर 1 नवंबर को हुआ था उसमें भी डॉ प्राची सिंहल को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में उन्होंने 'फीटल इको' जो कि भ्रूण के हृदय का विशिष्ट अल्ट्रासाउंड होता है पर एक विश्लेषणात्मक लेक्चर प्रस्तुत किया। फीटल इको एक जटिल जाँच है जिसमे डॉ प्राची को 15 वर्ष का अनुभव है। वो बताती हैं कि जब ये जाँच मात्र चुनिंदा बड़े शहरों में उपलब्ध थी तब भी प्यारेलाल अस्पताल में इसके लिए आवश्यक अल्ट्रासाउंड मशीन और यह सुविधा उपलब्ध थी। अब जब यह जांच व्यापक रूप से डॉक्टर और मरीज करवाने लगे हैं तब डॉ प्राची उन अनुभवी रेडियोलॉजिस्ट्स में से एक हैं जिन्हें इस विषय पर एक दशक से अधिक का अनुभव है। उनके द्वारा डायग्नोज किए गए जटिल और दुर्लभ केसेस को देख कर अन्य रेडियोलॉजिस्ट्स ने उनके संकलन की प्रशंसा की। हमारे शहर मोदीनगर में ऐसे कुशल चिकित्सक का होना एक गर्व का विषय है।

श्रमिक आवासों की समस्याओं को लेकर दिया जा रहा धरना आश्वासन के बाद समाप्त



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के निकट श्रमिक उत्थान ट्रस्ट एवं जन अधिकार मोर्चा द्वारा मजदूरों के आवासों की लड़ाई को लेकर चल रहा धरना एसडीएम के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। मजदूरों के आवासों की लड़ाई को लेकर पिछले 11 दिन से श्रमिक नेता तेजपाल पोसवाल ने धरना प्रारंभ किया व बाद में आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया। समस्याओं को लेकर प्रशासन द्वारा मिल प्रबंधकों के साथ एक बैठक कराई।

शुक्रवार को एसडीएम कोमल पंवार धरना स्थल पहुंची और आश्वासन दिया की मांगों को लेकर नियम अनुसार शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने तेजपाल पोसवाल को जूस पिलाकर धरना समाप्त कराया। इस मौके पर अतुल त्यागी सुनील रस्तोगी महेश कश्यप निर्देष खटाना प्रहलाद शर्मा दीपक शर्मा डॉ अनिल कोरी कृष्णपाल आदि उपस्थित रहे।

मतदान की महत्ता को समझें, मतदान हमारा अधिकार है: डॉ एस सी अग्रवाल

कॉलेज में अभिभावकों को ई सी आई एन ई टी एप डाउनलोड करने के लिए किया गया प्रेरित

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में कक्षा 11 और कक्षा 12 तक के छात्रों के अभिभावकों की एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मतदाता प्रारूप 4 का वितरण किया गया विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल और विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह ने साथ ही साथ सभी को प्रारूप 4 में भरने वाली महत्वपूर्ण जानकारी से भी अवगत कराया गया। प्रारूप 4 को विद्यालय में समय से भरकर देने के लिए कहा गया। सभी ऐसे अभिभावक जिनके स्वयं की या अपने परिवार में अन्य सदस्यों की वोट नहीं बन रही है और व 18 वर्ष से ऊपर के हैं तो उन्हें फॉर्म 6 भरने के लिए जागरूक किया गया और जिन अभिभावकों की या उनके किसी सदस्य की वोट किसी अन्य जनपद या अन्य राज्य में है और यदि वे इसी जनपद में अपनी वोट स्थानांतरित करना चाहते हैं तो उन्हें फार्म 8 में वांछित सूचनाओं उपलब्ध कराने के लिए कहा गया। विद्यालय में उपस्थित अभिभावकों विद्यालय में फॉर्म 4 कर जमा किया। विद्यालय प्रशासन ने फार्म 6 में अंकित उनके पहचान पत्र नंबर को ECINET नेट एप्लीकेशन पर उनकी उनके वोट बना है या नहीं इसकी जानकारी की गई ।सभी मतदाताओं सभी अभिभावकों को अपने-अपने मोबाइल में ECINET नेट एप डाउनलोड करने के लिए भी कहा गया व अपने आसपास के परिवारों को इसी तरह से अपना वोट चेक करने के लिए प्रेरित करेंगे और सभी आसपास के परिवारों के मोबाइलों में यह ऐप डाउनलोड करना सुनिश्चित करवाएंगे ऐसा आश्वासन सभी अभिभावकों ने दिया है। उपरोक्त कार्य में विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह तेज पाल सिंह संजीव कुमार समस्त कक्षा अध्यापकों का सहयोग रहा।

टप्पेबाजी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार, लैपटॉप और 1.70 लाख रुपये बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता





गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने टप्पेबाजी की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया लैपटॉप, एक बैग, 1.70 लाख रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 12 नवंबर को एचपी पेट्रोल पंप के पास आरोपियों ने मजबूरी बताकर सौरभ कुमार से बात करने के बहाने मोबाइल फोन लिया और उसे बातों में उलझाकर बैग लेकर फरार हो गए। बैग में लैपटॉप और 40 हजार रुपये थे। आरोपियों ने एटीएम व यूपीआई पिन हासिल कर खाते से भी रकम निकाली। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यक्ष ऐप से उनकी पहचान की गई। 20 नवंबर की रात पुलिस ने तिगरी गोल चक्कर के पास अंबुज सिटी के पीछे से रविन्द्र उर्फ बौना (32) और लक्की (19), निवासी गिरधारी नगर, हापुड़ को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने करीब 1.80 लाख रुपये निकालने की बात स्वीकार की। पुलिस ने दोनों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवा उत्सव में गाजियाबाद का जलवा, चित्रकला में अक्षय ने मारी बाजी

लोकनृत्य में द्वितीय, लोकगीत में तृतीय और नुक्कड़ नाटक में भी मिला दूसरा स्थान





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मेरठ कॉलेज में आयोजित मंडल स्तरीय युवा उत्सव में गाजियाबाद के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन कर जनपद का गौरव बढ़ाया। 19 नवंबर को मेरठ कॉलेज के मूट कोर्ट हॉल में आयोजित प्रतियोगिता में गाजियाबाद के प्रतिभागियों ने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट स्थान हासिल किए।

प्रतियोगिता में लोकगीत विधा में शहीद विजय सिंह पथिक सरस्वती विद्या मंदिर, भोपुरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि इसी विद्यालय ने लोकनृत्य में द्वितीय स्थान हासिल किया। गुरु नानक गर्ल्स इंटर कॉलेज ने नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में अक्षय ने प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ऋषि कुमार ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए बताया कि मंडल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा उत्सव में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभाग लगातार प्रयासरत है।

गाजियाबाद में 246 ईवीएम मशीनों से मतदाताओं को मिलेगा प्रशिक्षण, तीनों तहसीलों में खुले प्रदर्शन केंद्र

ईवीएम की कार्यप्रणाली समझ सकेंगे मतदाता, खुद डाल सकेंगे टेस्ट वोट







वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर निर्वाचन विभाग ने मतदाता जागरूकता की पहल शुरू कर दी है। इसके तहत शुक्रवार से जनपद में ईवीएम डिमॉन्स्ट्रेशन सेंटर संचालित कर दिए गए हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय के अलावा जिले की तीनों तहसीलों में भी प्रदर्शन केंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान के लिए कुल 246 ईवीएम मशीनें निकाली गई हैं, जिनमें प्रत्येक तहसील को पांच-पांच मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। शेष मशीनों का इस्तेमाल मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण में किया जाएगा।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने बताया कि प्रदर्शन केंद्रों पर नागरिकों को बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट की कार्यप्रणाली की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। लोग डमी बैलेट पेपर के माध्यम से स्वयं टेस्ट वोट डाल सकेंगे। मतदान के बाद वीवीपैट में सात सेकंड तक दिखाई देने वाली पर्ची का प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह अभियान 20 नवंबर से आगामी विधानसभा चुनाव की घोषणा तक जारी रहेगा।

ईवीएम मशीनों को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुरक्षित स्थानांतरित किया गया है। परिवहन में जीपीएस निगरानी और पुलिस सुरक्षा के साथ वेयरहाउस में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की गई है।

जिलाधिकारी ने नागरिकों से प्रदर्शन केंद्रों पर पहुंचकर ईवीएम की प्रक्रिया समझने और अन्य लोगों को भी जागरूक करने की अपील की। इस दौरान जिलाधिकारी सहित मीडिया प्रतिनिधियों ने भी टेस्ट वोट डाले।

जनप्रिय विधायक के रूप में जनता के बीच मजबूत पहचान बना रहे हैं संजीव शर्मा: इमरान रिजवान

विधायक के सफल कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा कार्यकर्ता ने की सराहना, विकास कार्यों और जनसेवा को बताया उपलब्धि

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। शहर विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव शर्मा के सफल कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा कार्यकर्ता इमरान रिजवान ने उन्हें बधाई देते हुए उनके नेतृत्व और कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने कहा कि संजीव शर्मा एक लोकप्रिय, कर्मठ और जनप्रिय नेता हैं, जिन्होंने अपने कुशल नेतृत्व से गाजियाबाद में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं।

इमरान रिजवान ने कहा कि विधायक संजीव शर्मा सिद्धार्थ विहार स्थित अपने आवास पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में पहुंचने वाले लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनके समाधान के लिए प्रयासरत रहते हैं। उनकी कार्यशैली की विशेषता है कि वे सभी धर्मों और जातियों के लोगों को समान सम्मान देते हुए जनसेवा को प्राथमिकता देते हैं।

उन्होंने कहा कि संजीव शर्मा ने भाजपा महानगर अध्यक्ष के रूप में अपने छह वर्ष के कार्यकाल में संगठन को मजबूत करने और पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, विधायक के रूप में पिछले दो वर्षों में उन्होंने गाजियाबाद के बहुमुखी विकास और जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में सक्रियता से कार्य किया है। इमरान रिजवान ने कहा कि जनता के बीच निरंतर उपलब्ध रहना, कार्यकताओं से संवाद बनाए रखना और सभी वर्गों को साथ लेकर चलना संजीव शर्मा की राजनीतिक कार्यशैली को अलग पहचान देता है। उनके नेतृत्व में गाजियाबाद विकास और जनसेवा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

रानी लक्ष्मीबाई जैसा जज्बा जगाएं बेटियां, मानसिक और शारीरिक रूप से बनें मजबूत



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का जीवन केवल साहस और शौर्य की गाथा नहीं, बल्कि देशभक्ति, स्वाभिमान और नारी शक्ति का ऐसा उदाहरण है, जिससे आज की पीढ़ी को प्रेरणा लेने की जरूरत है। महिलाओं को केवल शिक्षा और ज्ञान ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक रूप से भी मजबूत बनना होगा। जब महिला अपने भीतर साहस और आत्मविश्वास पैदा कर लेती है तो वह विपरीत परिस्थितियों में भी काली और दुर्गा का रूप धारण कर सकती है। यह विचार शुक्रवार को मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने रानी लक्ष्मीबाई जयंती समारोह में व्यक्त किए। वसुंधरा स्थित संस्थान के विवेकानंद सभागार में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के जीवन, संघर्ष और बलिदान पर आधारित सांस्कृतिक एवं देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुतियों से माहौल को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में भाषण, समूहगान, एकल गीत और कविताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने वीरांगना के व्यक्तित्व और उनके अदम्य साहस को जीवंत किया। डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि आज देश और समाज के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है।

असालत नगर में निकली भव्य निशान यात्रा, जय श्री श्याम के जयकारों से गूंजा मुरादनगर





वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादनगर। देवठान एकादशी एवं खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर शुक्रवार को असालत नगर स्थित खाटू श्याम मंदिर कमेटी की ओर से भव्य निशान यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ मंदिर से हुआ, जो असालत नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए फैक्ट्री गेट के सामने से निकली और पुनः मंदिर परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पीले वस्त्र धारण कर हाथों में निशान लिए श्रद्धालु जय श्री श्याम और हारे के सहारे के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।

मंदिर के संस्थापक महंत सुरेंद्र गुरुजी ने बताया कि इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान, निशान यात्रा, भंडारा और शाम को संकीर्तन का आयोजन किया गया। बाबा श्याम के जन्मोत्सव पर केक भी काटा गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गौ रक्षा दल के जिलाध्यक्ष गुलशन राजपूत ने कहा कि बाबा श्याम दुखी और निराश भक्तों का सहारा बनते हैं। उनकी भक्ति कठिन परिस्थितियों में भी व्यक्ति को संबल प्रदान करती है।

निशान यात्रा के समापन के बाद मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान तुषार मित्तल, तुषार कुमार, बरखा सक्सेना, रिंकू पांडा, अरविंद देवी, मुकेश बड़का, रवि चौधरी, अभिषेक ठाकुर, राजू त्यागी, यश त्यागी, राहुल, राहुल त्यागी प्रधान सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

विदेशी निवेश की आंधी से बाजार में लौटेगी रौनक, सेंसेक्स 90 हजार की ओर!

वेलकम इंडिया संवाददाता



एनसीआर/नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के उतार-चढ़ाव और गिरावट के बाद अब सकारात्मक संकेत दिखाई देने लगे हैं। विदेशी निवेशकों की जोरदार वापसी, घरेलू निवेशकों की लगातार भागीदारी और व्यवस्थित निवेश योजना के माध्यम से म्यूचुअल फंड में आ रही पूंजी ने बाजार की दीर्घकालीन संभावनाओं को मजबूती दी है। नवंबर में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध खरीदारी की है। इस रिकॉर्ड निवेश के बीच वित्तीय सलाहकार रविंद्र तिवारी का अनुमान है कि मार्च 2027 तक सेंसेक्स 90 हजार के स्तर को छू सकता है। हालांकि, उनका मानना है कि बाजार में तेजी एकतरफा नहीं होगी और बीच-बीच में गिरावट तथा मुनाफावसूली का दौर भी देखने को मिल सकता है। रविंद्र तिवारी के अनुसार, विदेशी निवेशकों की वापसी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण संकेत है। नवंबर में अब तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध खरीदारी की है। एक से 15 नवंबर के बीच ही करीब 84,291 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि इसके बाद तीन कारोबारी सत्रों में लगभग 22 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त खरीदारी हुई। यह वर्ष 2002 में आंकड़े दर्ज होने शुरू होने के बाद किसी एक महीने में विदेशी निवेशकों की सबसे बड़ी खरीदारी मानी जा रही है।

हिण्डन विहार को मिलेगी 18 करोड़ के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की सौगात, बनेंगी 128 दुकानें

दो मंजिला ऑर्केड का शिलान्यास, दूधेश्वर नाथ कॉरिडोर से प्रभावित दुकानदारों को मिलेगी व्यवस्थित जगह





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। हिण्डन विहार क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले भव्य दो मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स (ऑर्केड) का शिलान्यास किया गया। करीब 8,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बनने वाले इस आधुनिक कॉम्प्लेक्स में 128 दुकानें, 9 गोदाम, पार्किंग और शौचालय जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। श्री दूधेश्वर नाथ कॉरिडोर निर्माण के चलते स्थानांतरित होने वाली दुकानों को यहां व्यवस्थित रूप से स्थापित किया जाएगा। इससे प्रभावित व्यापारियों को बेहतर व्यावसायिक स्थान और सुविधाएं मिल सकेंगी। परियोजना से हिण्डन विहार क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं में भी सुधार होगा। इसके तहत सड़कों की स्थिति बेहतर करने के साथ स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान समीप स्थित भगवान वाल्मीकि सभागार का निरीक्षण किया गया और उसे जल्द आमजन के सामाजिक एवं व्यक्तिगत कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

दंत चिकित्सा में अब तस्वीरों से होगी बेहतर पहचान, आईटीएस में चिकित्सकों ने सीखी आधुनिक तकनीक



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर उपचार और सटीक निदान के लिए क्लीनिकल फोटोग्राफी की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोन्टिक्स विभाग की ओर से 18 से 20 नवंबर तक तीन दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। 'डोक्यू-डेंट बियॉन्ड द केस-एवरी केस हैज ए स्टोरीइ विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में 100 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस विद्यार्थियों के साथ विभिन्न दंत विभागों के चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य दंत चिकित्सकों और विद्यार्थियों को क्लीनिकल फोटोग्राफी की आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना तथा उनके व्यावहारिक कौशल को विकसित करना रहा।

हिंडन श्मशान घाट को मिली आधुनिक सौगात

3.50 करोड़ की लागत से बना गैसीफायर शवदाह गृह जनता को समर्पित

वेलकम इंडिया संवाददाता





गाजियाबाद। हिंडन श्मशान घाट पर नवनिर्मित आधुनिक हरित एवं गैसीफायर शवदाह गृह को जनता को समर्पित किया गया। लगभग 3 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से तैयार इस आधुनिक सुविधा से अंतिम संस्कार की प्रक्रिया अधिक सरल और पर्यावरण के अनुकूल होगी।

गैसीफायर तकनीक से शवदाह के दौरान होने वाले प्रदूषण में काफी कमी आएगी। साथ ही समय की भी बचत होगी। जहां पारंपरिक तरीके से शवदाह में करीब 6 से 7 घंटे का समय लगता है, वहीं आधुनिक गैसीफायर तकनीक से यह प्रक्रिया महज डेढ़ घंटे में पूरी हो सकेगी।

इस सुविधा के शुरू होने से शहरवासियों को आधुनिक शवदाह व्यवस्था का लाभ मिलेगा। यह पहल पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं अन्य लोगों ने इसे गाजियाबाद के लिए उपयोगी सौगात बताया।

सिंभावली में नेत्र जांच शिविर, 36 ग्रामीणों का होगा निशुल्क ऑपरेशन







वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिक सेवासमिति,गाजियाबाद द्वारा वरदान नेत्र चिकित्सा सेवा संस्थान के कुशल चिकित्सकों के सहयोग से दादू भवन सिंभावली में ग्रामीण निवासीगण, के नेत्रों की गहन जांच हेतु एक कैंप का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 72ग्रामीणों की आंखों की जांच की गई और 36 लोग ऑपरेशन के लिए योग्य पाए गए जिन्हें सदैव की भांति वरदान चिकित्सा संस्थान गाजियाबाद ले जा कर ऑपरेशन करने पश्चात घर छोड़ने की व्यवस्था निशुल्क की जानी है। कैंप में जहां वरदान चिकित्सा संस्थान की ओर से व्यवस्थापक श्री अमित प्रजापतिके नेतृत्व में कुशल डॉक्टर्स की टीम मौजूद रही वहीं वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति की ओर से आर के गुप्ता, हरिपालसिह रमेश अरोड़ा, एल डी शर्मा एम बी भारद्वाज, ठाकुर दास सैनी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

खड़ी बोली (कौरवी) की पहचान बचाने के लिए पश्चिमी यूपी में अभियान, जनगणना में मातृभाषा दर्ज कराने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक और पारंपरिक मातृभाषा खड़ी बोली (कौरवी) की पहचान, संरक्षण और संवर्धन के लिए पश्चिमांचल विकास परिषद (भारत) ने व्यापक जनजागरण अभियान शुरू करने की घोषणा की है। परिषद के अध्यक्ष नितिन स्वामी पश्चिमांचली ने नागरिकों से आगामी जनगणना 2026-27 में अपनी मातृभाषा के रूप में खड़ी बोली (कौरवी) दर्ज कराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि खड़ी बोली पश्चिमांचल की ऐतिहासिक, भाषाई और सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। आधुनिक मानक हिंदी का आधार भी खड़ी बोली रही है। परिषद के अनुसार, 1907 के भाषाई सर्वेक्षण में खड़ी बोली के 52,82,733 वक्ता दर्ज किए गए थे, जबकि 2001 की जनगणना में 47,730 और 2011 में 50,195 लोगों ने इसे सीधे अपनी बोली के रूप में दर्ज कराया था। परिषद का अनुमान है कि वर्तमान में इसके बोलने वालों की संख्या 2.5 करोड़ से अधिक है। परिषद के अध्यक्ष नितिन स्वामी पश्चिमांचली ने कहा कि अक्सर खड़ी बोली को अन्य क्षेत्रीय बोलियों से जोड़कर देखा जाता है, जिससे इसकी अलग पहचान प्रभावित होती है। परिषद के पदाधिकारी शिवम चौधरी ने कार्यकताओं से गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। अभियान के तहत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनसंवाद, गोष्ठियों और लोकसाहित्य संकलन के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी मातृभाषा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। परिषद ने नागरिकों से अपनी बोली और सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए जनगणना में सही मातृभाषा दर्ज कराने की अपील की है।